भाद्रपद शुक्ल पक्ष चतुर्थी संवत् 2081 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-09, अंक - 54 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांकः म.प्र./4-474/2024-26

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

भोपाल, बुधवार 27 अगस्त 2025

तोहमत तो ठीक जनाब... थे शरीक-ए -जुर्म...ये भी तो कुबूल कीजिये

प्रसंगवश
राजेश सिरोठिया

हाल ही में एक पॉडकास्ट इंटरव्यू में कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह ने जो कुछ कहा उसमें से राजनीति के गलियारों ने बस एक ही बात पकड़ी। वह यह कि कमलनाथ की सरकार 15 महीनों में ही क्यों गिर गई ? सबसे ज्यादा प्रतिक्रियाएं भी इसी पर आईं। हालांकि उन्होंने ऐसा और भी बहुत कहा जिसे अतीत के आईने में देखने पर तस्वीर कुछ और ही दिखाई देती है। इस कॉलम 'प्रसंगवश' में कुछ ऐसे ही तथ्यों की पड़ताल हो रही है। पिछले अंक में बात दिग्गी राजा के कार्यकाल में सड़कों की हालत पर हो रही थी। आज की बात वहीं से आगे बढ़ाते हैं।

पॉडकास्ट में दिग्विजय सिंह ने अपने कार्यकाल में राष्ट्रीय राजमार्ग खराब होने की जो बात कही उसमें सच्चाई कम ही थी। उस वक्त केवल एनएच की सड़कें ही चलताऊ हालत में थीं। बाकी का भगवान ही मालिक था। सच तो यह है कि एनएच की सड़कें कमलनाथ के केंद्र में राष्ट्रीय राजमार्ग मंत्री बनने के बाद सबसे ज्यादा खराब हुईं। उनके (दिग्गी) सीएम रहते जो दो सबसे करीबी पूर्व मंत्री रहे उन्होंने ठेकेदारों से साठगांठ करके प्रदेश की कई सड़कों को स्टेट हाईवे से एनएच घोषित करवा दिया। जबकि हकीकत यह थी कि तब एमपी में राष्ट्रीय राजमार्ग बनाने वाली एजेंसी नेशनल हाई वे

दिग्विजय के पॉडकास्ट का पोस्टमार्टम पार्ट-3

अथॉरिटी ऑफ इंडिया का मप्र में स्थापित प्रोजेक्ट ऑफिस का बुनियादी ढांचा ही पूरा नहीं बना था। प्रदेश के एनएच प्रोजेक्ट डायरेक्टर रहे एके पांडे ने तब खुद मुझसे कहा था कि ओबेदुल्लागंज से इटारसी, बैतूल, मुलताई होते हुए नागपुर की सीमा और जबलपुर से भोपाल होते हुए राजगढ़ से राजस्थान की सरहद तक प्रस्तावित एनएच 12 (तब उसका यही नाम था) तक सड़क बनाने के लिए इनकी डीपीआर (डिटेल प्रोजेक्ट रिपोर्ट) बनाने का भी पैसा नहीं था। यही नहीं, भोपाल से बैतूल तक सड़क बनाने में पर्यावरण विभाग की मंजूरी भी नहीं मिल सकी थी। लेकिन नाथ और उनके खास समर्थकों की हसरतों पर तब पानी फिर गया जब कमलनाथ की जगह राजस्थान के सीपी जोशी एनएच मंत्री बन गए। इससे एमपी में सारे काम डीपीआर में सिमटकर रह गए क्योंकि जोशी ने पैसा मंजूर करना तो दूर कई नेशनल हाईवे वापस स्टेट हाईवे बनाने के लिए भाजपा की शिवराज सरकार को लौटा दिए गए। यानि ऐसी कई सड़कों जिनमें इंदौर अहमदाबाद और एनएच - 3 यानि आगरा-मुंबई एनएच भी शामिल था की स्थिति लावारिस जैसी हो गई। इन्हें पहले राज्य सरकार ने बनाने की कोशिश की लेकिन बाद में केंद्र में मोदी सरकार बनने के बाद नितिन गडकरी ने इस काम को तेजी से आगे बढ़ाया। भोपाल- जबलपुर-जयपुर एनएच 12, भोपाल नागपुर रोड का मुलताई तक का हिस्सा बना। हालांकि इटारसी और बैतूल के बीच कुछ पहाड़ी वन क्षेत्र

बिजली का मुद्दा और मुख्यमंत्री बनवाने की कीमत

दिग्विजय सिंह ने 2003 में अपनी सरकार के पतन के लिए बिजली के मुद्दे की बात मंजूर की। लेकिन सबको पता है कि दिग्विजय सिंह को मुख्यमंत्री बनवाने की पूरी कीमत वसूलने के लिए नाथ ने ऊर्जा, खनिज और परिवहन जैसे विभाग अपने समर्थकों को दिलाए थे। मप्र बिजली बोर्ड में तो नाथ ने कोलकाता की अपनी कंपनी के चीफ मैनेजर दासगुप्ता को चेयरमैन बनवाया। दिग्गी की किसानों को सिंचाई के लिए मुफ्त की योजना और बिजली उत्पादन के कागजी करार भी इसकी वजह से बने जिसकी खरीदी के लिए एस्क्रो गारंटी देने के पैसे भी सरकार के खजाने में नहीं थे। यही नहीं, मुफ्त बिजली के हरजाने के बतौर दिग्गी सरकार ने बोर्ड को पैसा देने के बजाए उसमें राज्य सरकार की इक्विटी को एडजस्ट करने का तरीका अपनाया। ज्यादा तेल डालकर प्लांट लोड फेक्टर बढ़ाने के नाम पर कई बिजली तापघर बैठ गए। दस साल से लंबित पड़ी इंदिरासागर और ओंकारेश्वर बिजली परियोजना तब चालू हुई जब अटल जी ने नेशनल प्रोजेक्ट के बतौर इसका खर्चा उठाया और एनएचपीसी के साथ मप्र सरकार का संयुक्त उपक्रम एनएचडीसी बना। लेकिन महेश्वर परियोजना का काम एस कुमार को देने की दिग्विजय की जिद के चलते चार सौ मेगावाट की क्षमता वाला यह बांध अभी तक नहीं बन सका है और न उसके बन पाने की कोई उम्मीद बची है।

में अभी भी काम जारी है। आगरा -बॉम्बे रोड का एमपी वाले हिस्से का काम भी बरसों रुका रहा जो गडकरी के आने के बाद शुरू हुआ। पुराने लोगों को अभी भी याद होगा कि वे खराब एनएच के चलते अटल जी के वक्त बनी पीएम रोड का उपयोग करने लगे थे। यहां तक कि खुद दिग्विजयसिंह के इलाके गुना में जाने के लिए लोग ब्यावरा रोड के बजाए भोपाल से बेरसिया, नजीराबाद मकसूदनगढ़ होते हुए राजकीय सड़क का इस्तेमाल करने लगे थे। इसमें कोई शक नहीं कि दिग्गीराजा ने ही प्रदेश में टोल रोड व्यवस्था की शुरूआत की। तब राज्य सड़क विकास निगम नहीं था और स्टेट इंडस्ट्रीयल कारपोरेशन के जरिए तत्कालीन एमडी सुधीरंजन मोहंती ने दिग्गी सरकार की लाज बचाने भोपाल -इंदौर रोड टोल टेक्स के आधार पर बनवाया और उमाभारती के कार्यकाल में भोपाल - सागर सड़क इस निगम के प्रबंध संचालक रहते राघव चंद्रा ने पूरी कराई। लोगों को याद है कि इसके लिए सब्सिडी का पैसा रोकने के चलते उमाभारती ने राघवेंद्र सिंह जैसे वित्त विभाग के तेज तर्रार मुखिया को आनन- फानन हटाया था। 2003 की हार में पानी की कमी का कोई मुद्दा नहीं होने की बात दिग्गीराजा ने कही वह भी अर्धसत्य है। इसमें कोई शक नहीं कि उनके कार्यकाल में ही सागर की जल समस्या राजघाट बांध का रूका काम पूरा होने से हल हुई लेकिन प्रदेश के अधिकांश जिले पानी की कमी से जूझते रहे। जल संसाधन विभाग के कितने डिवीजन उनके कार्यकाल में बंद हुए सब जानते हैं। बीएसपी यानि बिजली, सड़क, पानी के मुद्दे पर कांग्रेस की करारी हार के चलते ही उन्हें भाजपा ने उन्हें मिस्टर बंटाढार का खिताब दिया जिसे जनता ने हाथों हाथ लिया। जहां तक 2018 में आधे-अधूरे बहुमत के साथ बनी सरकार के पतन का सवाल है तो इसमें भी कुछ दीगर बातों का जिक्र जरूरी है। सरकार गिरने के लिए सिर्फ कमलनाथ ही नहीं दिग्विजय खुद भी बराबरी से शरीक ए जुर्म थे। क्योंकि दोनों नेताओं ने मिलकर न सिर्फ ज्योतिरादित्य सिंधिया की उपेक्षा की बल्कि उनके कोटे से बने मंत्रियों के सिर पर अपनी पसंद के अफसर बिठाकर उनके हाथ-पैर बांध दिए थे। इसी तरह 2023 के चुनाव में मिली करारी हार के लिए कमलनाथ के सिर सिंह ने भले ही ठीकरा फोड़ा गया है जबकि, टिकिट वितरण में नाथ ने दिग्गी समर्थकों को काफी तवज्जो दी थी। अपने अनुज लक्ष्मण सिंह के राहुल गांधी की आलोचना के चलते कांग्रेस से निष्कासन के लिए दिग्गीराजा ने इस दलील के साथ कन्नी काट ली कि जिस वक्त उनके पिता का निधन हुआ तब वे बीस और लक्ष्मण 12 साल के थे। छोटा होने के कारण लक्ष्मण सिंह बचपन से ही गरम दल के नेता रहे हैं। लक्ष्मण सिंह ने राहुल गांधी की आलोचना जरूर की, पर उसके लिए उनका निष्कासन को वे कांग्रेस का उचित फैसला नहीं नहीं मानते। हालांकि कांग्रेसी होने का दम भरते हुए लक्ष्मण सिंह अब राहुल गांधी की आलोचना को लेकर पहले से ज्यादा मुखर हैं।

जारी...

बादलों का कहर, दरक रहे जमीन-पहाड़, तबाह हो रही बस्तियां

लैंडस्लाइड से जम्मू में 32 मौतें वैष्णोदेवी यात्रा को रोका गया

जम्मू/नई दिल्ली, एजेंसी

जम्मू के कटरा स्थित वैष्णो देवी धाम के ट्रैक पर लैंडस्लाइड में मरने वालों का आंकड़ा बढ़कर अब 32 हो गया है। यह हादसा पुराने ट्रैक पर अर्धकुमारी मंदिर से कुछ दूर हुआ है। देर रात तक 7 लोगों के मरने की खबर थी, लेकिन आज सुबह हादसे की भयावहता व आंकड़ा बढ़ गया। प्रशासन का कहना है मृतकों की संख्या बढ़ सकती है। फिलहाल, इलाके में भारी बारिश की वजह से वैष्णो देवी यात्रा स्थगित कर दी गई है। श्रद्धालु अटक गए हैं। जम्मू शहर में ही 24 घंटे से भी कम समय में 250 मिमी से ज्यादा बारिश हुई है। इससे बाढ़ जैसे हालात हैं। झेलम नदी का जलस्तर 22 फीट पार करने पर दक्षिण कश्मीर में बाढ़ अलर्ट जारी किया है। नॉर्दर्न रेलवे ने जम्मू-कटरा से चलने वाली और यहां रुकने वाली 22 ट्रेनें रद्द की हैं। कटरा-श्रीनगर के बीच ट्रेन सर्विस जारी है।

पूरे मप्र में आज राहत, कल से भारी बारिश का अलर्ट

इधर मध्यप्रदेश में आज हल्की बारिश का दौर ही है। कहीं भी तेज बारिश का अलर्ट नहीं है लेकिन कल 28 अगस्त से नया सिस्टम एक्टिव हो रहा है। इस वजह से दक्षिणी हिस्से में एक बार फिर तेज बारिश शुरू होगी। मौसम विभाग का कहना है कि आज ट्रफ प्रदेश से दूर है इसलिए राहत है। मप्र में अब तक 35.6 इंच हो चुकी है जबकि सामान्य बारिश औसत 37 इंच है। यानि कोटे की 96 प्रतिशत बारिश हो चुकी है।

छत पर उतरा सेना का हेलीकॉप्टर

पंजाब में लगातार बारिश से 7 जिलों में बाढ़ हैं। आज सुबह सेना ने पठानकोट के माधोपुर हेडवर्क्स में बाढ़ से घिरी एक जर्जर बिल्डिंग से 22 सीआरपीएफ जवानों और तीन नागरिकों का हेलिकॉप्टर से रेस्क्यू किया। रेस्क्यू के लिए सेना का हेलिकॉप्टर जर्जर बिल्डिंग की छत पर उतरा और उड़ान भरने के बाद बिल्डिंग का अगला हिस्सा धराशायी होकर पानी में समा गया। सेना ने इस ऑपरेशन का वीडियो शेयर किया है। उधर उत्तरकाशी में यमुना नदी का जलस्तर बढ़ने से दर्जनों घर और होटल, फर्स्ट फ्लोर तक पानी में डूबे हैं। हिमाचल के कुल्लू-मनाली और मंडी में रेस्टोरेंट और 20 से ज्यादा घर-दुकानें ब्यास नदी में समा गए।

पटवारी का शर्मनाक बयान- मप्र की महिलाएं सबसे ज्यादा शराब पीती हैं

हकीकत - अरुणाचल है सबसे आगे आदिवासी फैक्टर से हम 15वें नंबर पर

अनिल शर्मा, भोपाल

प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष जीतू पटवारी को शायद अंदाजा भी नहीं रहा होगा की प्रदेश में शराब की खपत को लेकर वो जो बयान दे रहे हैं वह उनके गले की ऐसी फांस बनेगा, जिसे निकाल पाना लगभग असंभव हो जाएगा। प्रदेश में ड्रग्स के बढ़ते कारोबार की बात करते हुए वे शराब की खपत पर आ गए। फिर आगे बढ़कर कह दिया कि प्रदेश की महिलाएं देश में सबसे अधिक शराब पीती हैं। हालांकि इसका वो कोई प्रामाणिक आंकड़ा नहीं दे पाए। बाद में जब हंगामा बढ़ा तो फेसबुक पोस्ट से बात संभालने की कोशिश की। लेकिन, इसमें भी जो आंकड़े दिए गए वो भी उनके बयान को सही नहीं ठहराते। जाहिर है, ऐसे बयान को भाजपा ने लपक लिया। मुख्यमंत्री मोहन यादव और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल ने तो तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की ही, प्रदेश भर में पटवारी के खिलाफ आंदोलन और पुतला दहन का सिलसिला शुरू हो गया।आखिर क्या वजह है कि अपने ही बयान को जीतू पटवारी सम्हाल नहीं पाए और बुरी तरह फंस गए। फेसबुक पोस्ट पर भी उन्होंने जो स्पष्टीकरण दिया उसमे वे नेशनल फॅमिली हेल्थ सर्वे (NHFS) का हवाला दे रहे हैं जो 2015 -16 में हुआ था यानी 10 साल पहले। हालांकि उसके आंकड़े भी उनके बयान से मेल नहीं खाते। इसके बाद एक बार और सर्वे हो चुका और उसकी रिपोर्ट भी सार्वजनिक है, लेकिन लगता है प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अपने किसी एजेंडे के तहत उसे दबा गए। असलियत यह है की इस पांचवें सर्वे में ही शराब और तम्बाकू के सेवन से जुड़े सवाल शामिल किये गए थे। दरअसल, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय यह सर्वे करता है। 1992 -93 से लेकर अब तक पांच सर्वे हुए हैं। पांचवें सर्वे में आखिरी बार 2019 से 2021 के बीच आंकड़े एकत्र किए गए थे और इसकी रिपोर्ट मई 2022 में जारी की गई थी। इस रिपोर्ट के विश्लेषण से पता चलता है कि शराब पीने के मामले में मध्यप्रदेश की महिलाओं का नंबर 15वां है। इस मामले में यहां महिलाओं की संख्या सिर्फ 2.2 फीसदी है। इसमें भी ग्रामीण अंचल में 1.6 प्रतिशत और शहरी क्षेत्र में 0.6 प्रतिशत है। पहला नंबर अरुणाचल प्रदेश की महिलाओं का है। यहां 17.8 प्रतिशत महिलाएं शराब का सेवन करती हैं। इसके बाद 14.8 फीसदी के साथ सिक्किम का नंबर आता है। लिस्ट में आठ राज्य और दो केंद्र शासित प्रदेश हैं जहां शराब पीने में एक फीसदी से ज्यादा और 3 फीसदी से कम महिलाओं की संख्या है। मध्यप्रदेश इसी केटेगरी में है और 15वें नंबर पर आता है।

सवाल तो पूछे ही जाएंगे...

यहां हमें आदिवासी फैक्टर को भी देखना होगा। जो राज्य आगे हैं उनमे ज्यादातर आदिवासी बाहुल्य हैं। हमारे प्रदेश में भी 13 जिलों में आदिवासियों की खासी संख्या है। इनमें से अलीराजपुर, डिंडोरी, बैतूल, मंडला, धार, झाबुआ, अनूपपुर, बालाघाट, उमरिया, छिंदवाड़ा और शहडोल में ही शराब के मामले में महिलाओं की संख्या 2 से 7 फीसदी तक है। गौर करने लायक बात यह है कि कई आदिवासी जिलों वाले इंदौर संभाग से जीतू पटवारी आते हैं। वे इस बात को कैसे भूल गए और पूरे प्रदेश की महिलाओं को शराबनोशी में लपेट लिया। इसे पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष के तौर पर तो गैर जिम्मेदाराना व शर्मनाक ही कहा जाएगा। उनसे सवाल तो पूछा ही जाएगा कि क्या आदिवासी क्षेत्रों में शराब बनाने और पीने की छूट सभी सरकारें परंपरा की वजह से नहीं देती आई हैं। हकीकत तो यह है कि इसकी शुरुआत 2003 से पहले कांग्रेस सरकार ने ही की थी। सवाल यह भी कि क्या कभी कांग्रेस सरकार ने शराब बंदी की पहल की? यह भी तथ्य है कि पंद्रह महीनों की कमलनाथ सरकार ने प्रदेश के सभी बड़े शॉपिंग मॉल्स में शराब के लग्जरी शोरूम खोलने की योजना बनाई थी जो सरकार गिरने की वजह से सिरे नहीं चढ़ सकी।

सर्वे रिपोर्ट के अनुसार : शराब और महिलाएं टॉप 10 प्रदेश (प्रतिशत)

अरुणाचल	–	17.8
सिक्किम	–	11.8
अस	–	5.5
तेलंगाना	–	4.9
त्रिपुरा	–	4.3
लद्दाख	–	3.6
छत्तीसगढ़	–	2.8
ओडिशा	–	2.7
झारखण्ड	–	2.6

आध्यात्मिक पर्यटन पर उज्जैन में ग्लोबल विमर्श शुरू

उज्जैन, दोपहर मेट्रो। मप्र में दूसरा वैश्विक आध्यात्मिक पर्यटन सम्मेलन 'रूह' का उज्जैन में मुख्यमंत्री मोहन यादव व केंद्रीय पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने उद्घाटन किया। सम्मेलन में देश भर से लोग आए हैं। सम्मेलन में 12 ज्योतिर्लिंगों, मंदिर अर्थव्यवस्थाओं और उज्जैन की आध्यात्मिक शक्ति पर विशेष सत्रों में विमर्श किया जा रहा है। इस मौके पर सीएम ने मप्र के धार्मिक स्थलों का उल्लेख करते हुए कहा कि इनके विकास के संबंध में मिलबैठकर और बेहतर निर्णय लिये जाने की जरूरूत है। सम्मेलन पीएचडी चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री द्वारा पर्यटन मंत्रालय और मप्र पर्यटन बोर्ड के सहयोग से आयोजित किया गया है। चैंबर ने आग्रह किया कि आगामी कुंभ मेले में उसे भी शामिल किया जाए।

मेट्रो एंकर | एक्टिविस्ट सैयदा हामिद के अजब बोल का चौतरफा विरोध

अल्लाह की जमीन..., घुसपैठियों की हिमायत पर तमतमाई सियासत

नईदिल्ली, एजेंसी

पहलगाम हमले के बाद सरकार ने बांग्लादेशी और रोहिंग्या घुसपैठियों के खिलाफ सख्त नीति अपनाई है,उनकी पहचान कर वापस भेजा जा रहा है, लेकिन ऐसे समय में एक एक्टिविस्ट सैयदा हामिद अवैध घुसपैठियों को भारत में बसाने की पैरवी करने उतरी हैं। ऐसे कुछ और लोगों ने बकायदा अभियान ही शुरू कर रखा है, जिसका जोरदार विरोध हो रहा है। पद्मश्री पुरस्कार से सम्मानित हामिद की दलील है कि जमीन तो अल्लाह की है, फिर बांग्लादेशियों को यहां बसने से रोक कौन सकता है? यूपीए सरकार में योजना आयोग सदस्य रहीं सैयदा हामिद ने पहले असम

जाकर अवैध बांग्लादेशी के खिलाफ कार्रवाई का पुरजोर विरोध किया था। उन्होंने कहा, बांग्लादेशी होने में क्या गुनाह है, वे भी तो इंसान हैं, किसी का अधिकार तो नहीं छीन रहे। अल्लाह ने ये धरती इंसानों के लिए बनाई है, हैवानों के लिए तो नहीं बनाई। उन्होंने कहा कि मुसलमानों पर, जो ग्वालपाड़ा में हो रहा है, वहीं जामिया में हो रहा है। इस बयान पर जबरदस्त बवाल हो गया है। दिल्ली में कॉन्स्टिट्यूटन क्लब में इसी से जुड़े एक कार्यक्रम में शामिल होने जब वे पहुंचीं तो वहां भी जोरदार नारेबाजी का सामना करना पड़ा। उनके सहयोगियों में हर्षमंदर और प्रशांत भूषण भी मौजूद थे। कार्यक्रम असम से अवैध घुसपैठियों को हटाने के विरोध में आयोजित था। यहां भी उन्होंने कहा कि असम कभी ऐसा नहीं था, राक्षस जैसा हो गया है। पहले असम में मियां शब्द अच्छी भावना से कहा जाता था लेकिन अब मियां लफ्ज गाली जैसा हो गया है। हालांकि हामिद के भारी विरोध का एक असर यह भी है कि वे कहने लगी हैं-अगर कुछ बांग्लादेशी आ भी गए हैं, तो उनके साथ बैठिए, चर्चा कीजिए और वापस पहुंचाइए।

हामिद पर कार्रवाई की मांग तेज

हालांकि भाजपा व सरकार ने हामिद के बयानों को गंभीरता से लिया है। भाजपा नेता राकेश सिन्हा ने कहा, इससे बड़ा राष्ट्र विरोधी बयान नहीं हो सकता है। हामिद को इतना ही प्रेम है तो सात दिन बांग्लादेश में जाकर रहकर देखें। जो बांग्लादेश घुसपैठिए बनकर देश की डेमोग्राफी को बदल रहे हैं उसकी साफ तरफदारी ये दिखाता है कि देश में पढ़े-लिखे और अच्छे पदों पर रहे लोग राष्ट्र-विरोधी ताकतों के एजेंट के रूप में काम कर रहे हैं। उन केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने एक्स पर लिखा कि मानवता के नाम पर गुमराह कर रही सैयदा हामिद सोनिया गांधी और राहुल गांधी की करीबी हो सकती है.लेकिन अवैध घुसपैठियों का समर्थन नहीं करना चाहिए। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने लिखा कि बांग्लादेशियों का असम में स्वागत नहीं होगा, यह मैं स्पष्ट कर देता हूं। जो उनसे सहानुभूति रखते हैं, वह उन्हें अपने पास जगह दें। सैयदा हामिद मनमोहन सिंह सरकार में योजना आयोग की सदस्य रहीं। वह राष्ट्रीय महिला आयोग की भी सदस्य रही हैं। यूपीए सरकार के कार्यकाल में ही उन्हें पद्मश्री भी मिला था। वह वुमेन राइट्स एक्टिविस्ट, शिक्षाविद् और लेखक भी हैं।

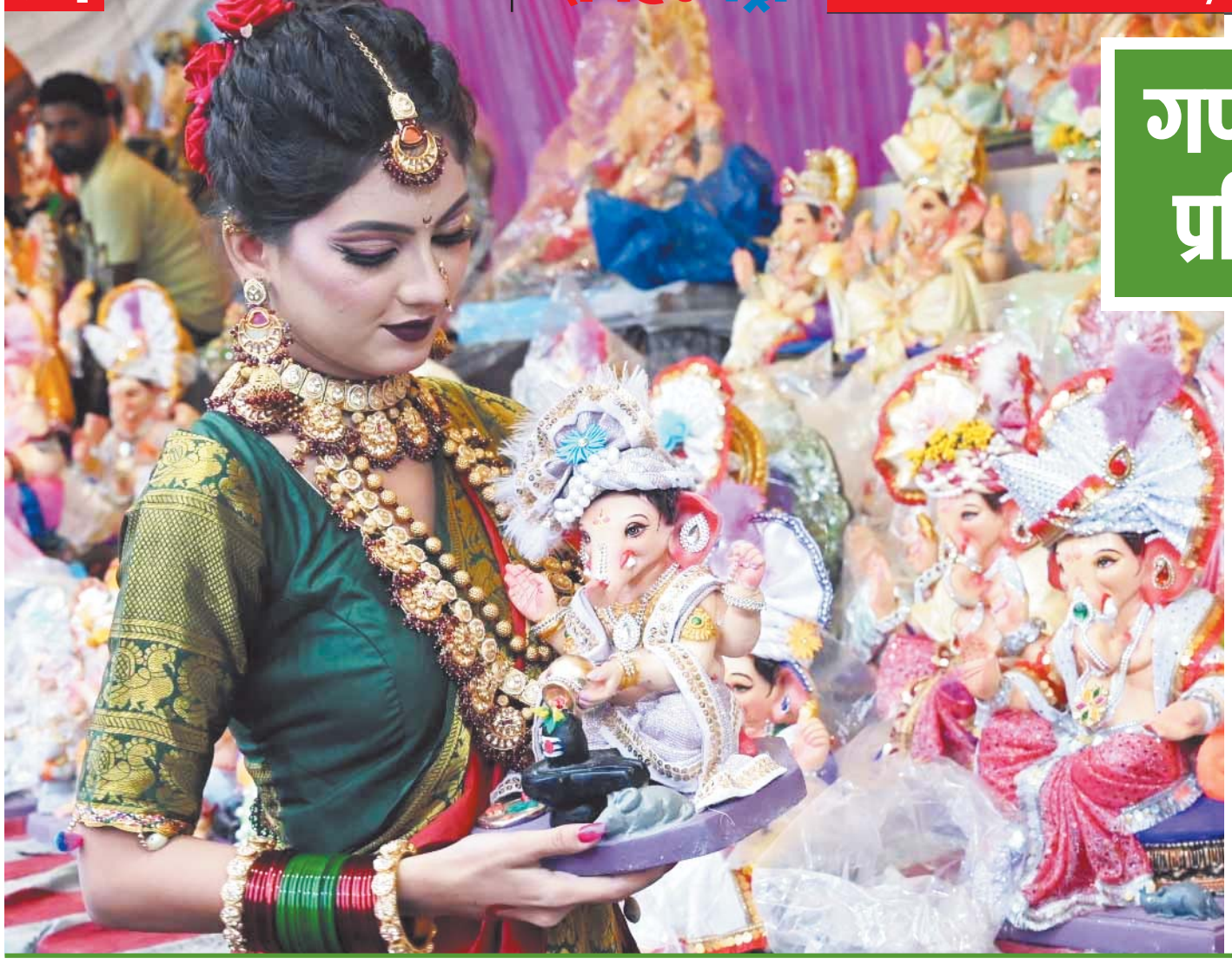

गणेश चतुर्थी : पंडाल सजे प्रतिमा लेने उमड़े श्रद्धालु

भोपाल, दोपहर मेट्रो। राजधानी में गणेश चतुर्थी को लेकर माहौल पूरी तरह गणेशमय हो गया है। शहर के अलग-अलग इलाकों में पंडालों के लिए गणेशजी की प्रतिमाएं ले जाई जा रही हैं। बड़ी-बड़ी झांकियों और आकर्षक पंडालों की तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं। बाजारों में भी रौनक चरम पर है। गणेशजी की प्रतिमाएं खरीदने के लिए सुबह से ही भीड़ उमड़ रही है। न्यू मार्केट, चौक बाजार, बिट्टन मार्केट, 10 नंबर और भेल क्षेत्र के बाजारों में भक्तों का उत्साह देखते ही बनता है। परिवारों के साथ लोग गणेशजी की मूर्तियां चुनते दिखाई दे रहे हैं। इस बार भी घरों में स्थापना के लिए खास तौर पर मिट्टी की गणेश प्रतिमाओं की मांग की जा रही है। हालांकि इनके दाम भी बहुत ज्यादा हैं। पूजा सामग्री, सजावट के सामान, लाइटिंग और मिठाई की दुकानों पर भी ग्राहकों की भीड़ लगातार बढ़ रही है। महिलाएं और बच्चे विशेष उत्साह से खरीदारी कर रहे हैं। वहीं आयोजक गणपति पंडालों में थीम आधारित सजावट कर भक्तों को आकर्षित करने की तैयारी में जुटे हैं।

गली-मोहल्लों में भी तैयारी

गणेश चतुर्थी पर हर गली, मोहल्ले और प्रमुख चौक-चौराहों पर गणपति बप्पा की स्थापना होगी। शहर इस समय भक्ति और उत्साह से सराबोर दिखाई दे रहा है। कल शाम से ही प्रतिमाओं का झांकी स्थल की ओर प्रस्थान शुरू हो गया आज भी सुबह से यह सिलसिला जारी है। देर शाम तक प्रतिमाओं की स्थापन होगी। पुलिस, प्रशासन, नगर निगम और बिजली विभाग ने भी गणेश उत्सव के लिए अपने अपने स्तर पर तैयारी की हुई हैं।

पर्यटन के किडजानिया को मिले दो गोल्ड अवॉर्ड

भोपाल, दोहपर मेट्रो

मध्यप्रदेश को अब ऐतिहासिक विरासत, समृद्ध संस्कृति और प्राकृतिक सौंदर्य के लिए ही नहीं, बल्कि इनकी ब्रांडिंग ,पर्यटन नीतियों र और आधुनिक मार्केटिंग रणनीतियों के लिए भी जाना जा रहा है। गोवा में आयोजित प्रथम मेडएक्स समिट एवं अवॉर्ड्स 2025 में किडज़ानिया इंडिया के 'एमपी टूरिज्म एक्सपीरियंस सेंटर' को दो श्रेणियों में प्रतिष्ठित गोल्ड अवॉर्ड्स से सम्मानित किया गया। बेस्ट एक्सपीरिएंशल मार्केटिंग कैंपेन और बेस्ट ट्रैवल एंड टूरिज्म मार्केटिंग कैंपेन की श्रेणी में ये गोल्ड अवॉर्ड्स प्राप्त हुए।

उल्लेखनीय है कि दिल्ली एवं मुंबई कि किडजानिया एमपी एक्सपीरियंस सेंटर स्थापित है। प्रमुख सचिव पर्यटन और संस्कृति एवं प्रबंध संचालक टूरिज्म बोर्ड शिव शेखर शुक्ला ने कहा कि एमपी टूरिज्म एक्सपीरियंस सेंटर ने यह फिर से परिभाषित किया है कि पर्यटन और अनुभवात्मक ब्रांड कैसे दर्शकों के साथ सार्थक रूप से जुड़ सकते हैं। बेस्ट ट्रैवल एंड टूरिज्म मार्केटिंग कैंपेन श्रेणी में एमपी टूरिज्म एक्सपीरियंस सेंटर को उनकी नवाचार, रचनात्मकता और प्रभावशाली रूप से इसके क्रियान्वयन के लिए सम्मानित किया गया, जिसने ब्रांड की विज़िबिलिटी और ऑडियंस एंगेजमेंट को नए आयाम दिए हैं। वहीं, बेस्ट एक्सपीरिएंशल मार्केटिंग कैंपेन श्रेणी में यह अवॉर्ड उनकी इमर्सिव स्टोरीटेलिंग और अत्याधुनिक एक्टिवेशंस को मिला।

बच्चों को दे रहे रोमांचक अनुभव

दिल्ली और मुंबई में किडजानिया के एमपी टूरिज्म एक्सपीरियंस सेंटर का उद्देश्य बच्चों को प्रदेश की प्राकृतिक धरोहर, जैव विविधता, नदियों और सांस्कृतिक विरासत से रोचक और रचनात्मक तरीके से जोड़ना है। यह पहल बच्चों को रोमांचक अनुभव प्रदान करती है। इन अनुभवों को और अधिक वास्तविक बनाने के लिए वर्चुअल रियलिटी, मोशन सेंसिंग तकनीक, एनवायरनमेंटल सिमुलेशन और इफेक्ट्स का प्रयोग किया है।

पहले चरण में 46 मशीनें शिफ्ट होंगी, छोटा रातीबड़ के 18 एकड़ में चल रहा डेवलपमेंट

मेट्रो की राह आसान होने के आसार आरा मशीन संचालक हटने को तैयार

भोपाल, दोहपर मेट्रो

बीते करीब पचास साल से भारत टॉकीज के पास चल रहीं आरा मशीनों के आखिरकार शिफ्टिंग पर बात बन गई है। माना जा रहा है कि बडा व्यवधान नहीं आया तो इस साल के अंत तक शहर से बाहर होंगी। हालांकि पचास साल पहले जब यह बाजार बना था तब इस इलाके में खास बसाहट व भीड़ नहीं थी लेकिन अब यह शहर की सघन बसाहट के बीच है और बड़ा खतरा तो है ही, मेट्रो समेत कई प्रोजेक्ट के भी आडे आ रहे हैं।

राजधानी से करीब पच्चीस किलोमीटर दूर परवलिया के छोटा रातीबढ़ में इनके लिए जमीन डेवलप की जा रही है। जेसीबी और डंपर रोड बनाने में जुटे हैं। रोड का बेस बन चुका है। पानी की टंकी के पिलर भी खड़े हो चुके हैं। छोटा रातीबड़ में सड़क का निर्माण किया जा रहा है। प्लॉट डेवलप किए जा रहे हैं। पहले चरण में 46 आरा मशीनें यहां से रातीबड़ शिफ्ट होंगी वैसे कुल 108 आरा मशीनें हैं। इनकी शिफ्टिंग पर करीब चार

दर्जन बार प्रशासन से चर्चा हो चुकी है। मेट्रो प्रशासन ने भी इसके लिये 5.50 करोड़ रुपए दिए हैं।

दरअसल, बरखेड़ी फाटक से भारत टॉकीज तक बनी आरा मशीनें मेट्रो रेल के लिए सबसे बड़ी बाधा हैं। दुर्घटना आदि के खतरे देखते हुऐ बीते कुछ सालों से इन मशीनों की शिफ्टिंग की कवायद चल रही है। इससे पहले कबाड़खाना, ऐशबाग स्टेडियम के पास, गोविंदपुरा से लेकर ट्रांसपोर्ट नगर और चांदपुर में आरा मशीनें शिफ्ट करने के प्रयास हुए थे, लेकिन बात नहीं बन सकी। करीब दो साल पहले पहली बार आरा मशीन संचालकों को नोटिस जारी कर छोटा रातीबड़ में शिफ्ट होने का ऑप्शन दिया गया। साथ ही कहा गया कि शिफ्ट नहीं होने पर अड़े रहे तो हटा दिया जाएगा।। इसके बाद सभी ने लिखित आश्वासन दिया था कि वे शिफ्ट होने के लिए तैयार हैं।

मेट्रो की सबसे बड़ी बाधा

आरा मशीनें पहले चरण में एम्स से करोंद के बीच मेट्रो रूट की बाधा हैं। लिहाजा सीधे रूट की राह में आ रहीं 46 मशीनें सितंबर तक शिफ्ट करने का लक्ष्य रखा गया है, इन्हें उद्योग श्रेणी में शामिल कर लिया गया है। इससे इन्हें सब्सिडी का फायदा भी मिलेगा। गौरतरब है कि एम्स से करोंद तक 14.99 किमी लंबे मेट्रो रूट में से एम्स से सुभाष नगर तक 6.22 किमी रूट पर कमर्शियल रन की तैयारी चल रही है। इसके आगे यानी सुभाष नगर से करोंद तक 8.77 किमी के रूट पर काम चल रहा है।

पितृपक्ष पर गया जाने वाली ट्रेनों में वेटिंग

भोपाल, दोहपर मेट्रो

पितृपक्ष पर गया जाने वाले श्रद्धालुओं को इस बार भी ट्रेनों में भारी भीड़ का सामना करना पड़ेगा। खासकर इंदौर से शुरू होकर भोपाल से गया जाने वाली हावड़ा एक्सप्रेस में 5 सितंबर से 17 सितंबर तक ओवरवेटिंग की स्थिति बन गई है। इसका मतलब है कि इन तारीखों में ट्रेन में सीट उपलब्ध नहीं है। हर साल पितृपक्ष के दौरान लाखों श्रद्धालु गया और प्रयागराज जाकर अपने पूर्वजों के लिए पिंडदान और तर्पण करते हैं। भोपाल-हावड़ा एक्सप्रेस, गया जाने के लिए प्रमुख ट्रेन मानी जाती है, लेकिन सीटें फुल होने से यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। कामायनी एक्सप्रेस, अहमदाबाद-गोरखपुर एक्सप्रेस और अहमदाबाद-बरौनी एक्सप्रेस जैसी ट्रेनों में भी प्रयागराज और उससे आगे की यात्रा के लिए टिकट मिलना मुश्किल हो गया है। इन ट्रेनों में अभी रिग्रेट और वेटिंग जैसे हालात बन गए हैं।

अब टीटीई लगाएंगे डिजिटल हाजिरी

रेलवे ने अपने टिकट चेकिंग स्टाफ (टीटीई) की ड्यूटी प्रक्रिया को पूरी तरह डिजिटल बनाने का प्रोजेक्ट भोपाल रेल मंडल में भी लागू कर दिया है। रेलवे बोर्ड ने टीटीइ लॉबी में बायोमेट्रिक ऑथेंटिकेशन सिस्टम लागू करने की मंजूरी दे दी है। अब टीटीइ ड्यूटी शुरू और समाप्त करते समय आधारित बायोमेट्रिक साइन इन और साइन आउट करेंगे। रेलवे के अनुसार कर्मचारियों की वास्तविक उपस्थिति दर्ज होगी। ड्यूटी साइन-इन और साइन-आउट की प्रक्रिया तेज, सरल और सुरक्षित हो जाएगी।

विदेश अध्ययन छात्रवृत्ति के लिए विद्यार्थी अब 2 सितंबर तक कर सकेंगे आवेदन

भोपाल। अनुसूचित जाति विभाग द्वारा अनुसूचित जाति के विद्यार्थियों को विदेश में उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए छात्रवृत्ति योजना अंतर्गत छात्रवृत्ति प्रदान की जाती है। योजना के तहत वर्ष 2025-26 के लिये आवेदन पत्र आमंत्रित किए जा रहे हैं। आवेदन की अंतिम तिथि को ब?ाकर अब 2 सितंबर 2025 कर दी गई है। योजना में स्नातकोत्तर और शोध उपाधि (पीएच.डी.) के लिए इंजीनियरिंग, प्योर साइंस, एप्लाइड साइंस, एग्रीकल्चर साइंस, मेडिकल, मैनेजमेंट, इंटरनेशनल कॉमर्स, एकाउंटिंग फाइनांस, फॉरेस्ट्री, नेचुरल साइंस, विधि और मानविकी जैसे विषयों में छात्रवृत्ति प्रदान की जाएगी। पीएच.डी. के लिए आवेदक को स्नातकोत्तर में प्रथम श्रेणी या 60 प्रतिशत अंक के साथ उत्तीर्ण होना अनिवार्य है। साथ ही दो वर्ष का अध्यापन, शोध, व्यावसायिक अनुभव अथवा एम.फिल. उपाधि आवश्यक है। स्नातकोत्तर के लिए स्नातक में प्रथम श्रेणी या 60 प्रतिशत अंक अनिवार्य हैं। अधिकतम 50 अभ्यर्थियों का चयन किया जाएगा। आवेदन पत्र का प्रारूप और नियम वेबसाइट पर उपलब्ध हैं।

वॉटर सप्लाई के ओवरफ्लो और लो प्रेशर से जल्द मिलेगी निजात

भोपाल, दोहपर मेट्रो

अब शहर में एससीएडीए तकनीक से पानी की बर्बादी पर लगाम लगेगी और नागरिकों को बेहतर सुविधा मिल सकेगी। पूरा रिकॉर्ड ऑनलाइन जोनल तरीके से रखा जा रहा है। रोजाना की पानी की सप्लाई का डेटा भी ऑनलाइन उपलब्ध होगा।

अब एससीएडीए सिस्टम के जरिए पानी की सप्लाई से जुड़े सभी डेटा जैसे टैंक भरने का समय, किस इलाके को कितना पानी दिया जा रहा है और लीकेज की सही लोकेशन ऑनलाइन मॉनिटर की जा सकेगी। पाइपलाइन में कहीं भी लीकेज होने पर तुरंत पता चल जाएगा और मरम्मत करके बिना रुकावट सप्लाई जारी रखी जा सकेगी। शहर को रोजाना 375 मिलियन लीटर पानी (एमएलडी) की जरूरत होती है, जो प्रति व्यक्ति 150 लीटर के हिसाब से है, लेकिन फिलहाल नेटवर्क और रिजर्वायर से 402 एमएलडी पानी सप्लाई किया जा रहा है, जिसका एक बड़ा हिस्सा लीकेज और ओवरफ्लो की वजह से बर्बाद हो जाता है।

नगर निगम शहर में पानी की बर्बादी को रोकने के लिए एससीएडीए (सुपरवाइजरी कंट्रोल एंड डाटा एक्विजिशन) सिस्टम का उपयोग करने जा रहा है। इसके जरिए जल सप्लाई की रियल-टाइम मॉनिटर होगी। अब तक 163 ओवरहेड टैंकों को इस सिस्टम से जोड़ा जा चुका है, अभी 14 टैंकों जुड़ने को बाकी हैं। नर्मदा, कोलार, अपर लेक और कलियासोत डैम से पानी मिलता है, जो लगभग 25 लाख लोगों की जरूरत पूरी करता है।

नए सिस्टम की ये खास

1. पाइपलाइन में पानी के प्रेशर और फ्लो की रियल-टाइम मॉनिटरिंग।
2. मेन लाइन में लीकेज का ऑटोमेटिक पता लगाना।
3. लीकेज की वजह से लो प्रेशर होने पर तुरंत अपडेट।
4. पानी के नुकसान और ट्रीटमेंट प्लांट की ऑपरेशन की ऑनलाइन ट्रैकिंग।
5. जोनल और दैनिक सप्लाई का पूरा रिकॉर्ड ऑनलाइन उपलब्ध।
6. एससीएडीए सिस्टम सिर्फ ओवरहेड टैंकों से ही नहीं, बल्कि 14 फिल्टर प्लांट और 9 पंप हाउस से भी जुड़ा है।
7. बड़े टैंकों को पूरी तरह ऑटोमैटिक कंट्रोल किया जा रहा है, जबकि छोटे टैंकों में लेवल सेंसर लगाए गए हैं।
8. सेंट्रल कमांड सेंटर लगातार पानी के लेवल, प्रेशर और फ्लो पर नजर रखता है और अलग-अलग जोन की डिमांड के हिसाब से सप्लाई को एडजस्ट करता है।

मेट्रो एंकर — **शहर के जाट क्षेत्र में मूलभूत सुविधाएं नहीं, शिकायत के बाद भी सुनवाई नहीं**

बिजली, पानी और सड़क के लिए परेशान हो रहे रहवासी

हिरदाराम नगर, दोहपर मेट्रो

संतनगर के वार्ड क्रमांक 2 जाट एरिया में सीवेज सिस्टम पूरी तरह से खराब हो चुका है। घरों से निकलने वाला गंदा पानी खुले में बहता है और सड़क के दोनों ओर बनी नालियां कचरे से भरी पड़ी हैं। सफाई कर्मचारी भी नियमित नहीं आते हैं यहां दो दिन में सिर्फ एक बार सफाई होती है। गंदगी के कारण बीमारियों का खतरा बढ़ गया है।

रहवासियों का आरोप है कि कुछ लोगों ने आम रास्तों को बंद कर दिया है, जिससे आवाजाही में दिक्कत हो रही है। इसके अलावा, पिछले कई महीनों से स्ट्रीट लाइटें भी खराब पड़ी हैं, जिससे शाम के बाद पूरे इलाके में अंधेरा छा जाता है। यहां रहने वाले लगभग 40 परिवारों को मूलभूत सुविधाओं के अभाव में भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। बिजली, पानी और खराब सड़कों की समस्या से जूझ रहे रहवासियों का कहना है कि बार-बार शिकायत करने के बावजूद नगर-निगम और स्थानीय प्रशासन कोई ठोस कदम नहीं उठा रहा है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि इलाके का इलाके में एक मंदिर भी है, यहां का विकास नहीं हो रहा है। प्रशासन ने हमें पूरी तरह से भुला दिया है। सोमवार देर रात से पूरे क्षेत्र की बिजली गुल रही। हम परेशान होते रहे। लोगों का कहना है कि चुनाव के समय जनप्रतिनिधि क्षेत्र में विकास के वादे कर जाते हैं, लेकिन जीत के बाद कोई नहीं आता, हमें कई बार समस्याओं के लिए फोन लगाने पड़ते है। नल कनेक्शन आधे अधूरे पड़े हैं, जिस समय कहा गया था कि नालियों को पूरी तरह ढका जाएगा,वो भी नहीं किया। अंधेरे में तो कई बार बच्चे इस नालियों में गिर चुके है। जनप्रतिनिधियों के खिलाफ गुस्सा-स्थानीय लोगों में अपने जनप्रतिनिधियों के खिलाफ भी भारी गुस्सा है, क्योंकि उनकी समस्याओं पर कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है। लोगों का कहना है कि पास में मंदिर, जहां आने-जाने में समस्या होती है बताने के बाद भी इस क्षेत्र का विकास नहीं हो रहा है। यहां सीवेज सिस्टम पूरी तरह से चौपट हो चुका है। घरों से निकलने वाला गंदा पानी खुले में बहता है, जिससे चारों ओर दुर्गंध और गंदगी फैली रहती है। गलियों में बनी नालियां कचरे से भरी हुई हैं और साफ-सफाई दो दिन में एक बार होती है। कई बार जनप्रतिनिधियों से इसकि शिकायत की,लेकिन कोई सुनवाई नहीं होती।वहीं जिम्मेदारों का कहना है कि बिजली, पानी, सड़क, सीवेज, साफ सफाई की समस्या को जल्द से जल्द हल करवाने का प्रयास किया जाएगा। यहां पर हाई मास्ट लाइट भी लगवाई जाएगी, ताकि अंधेरा न हो। और लोगों को राहत मिल सके।

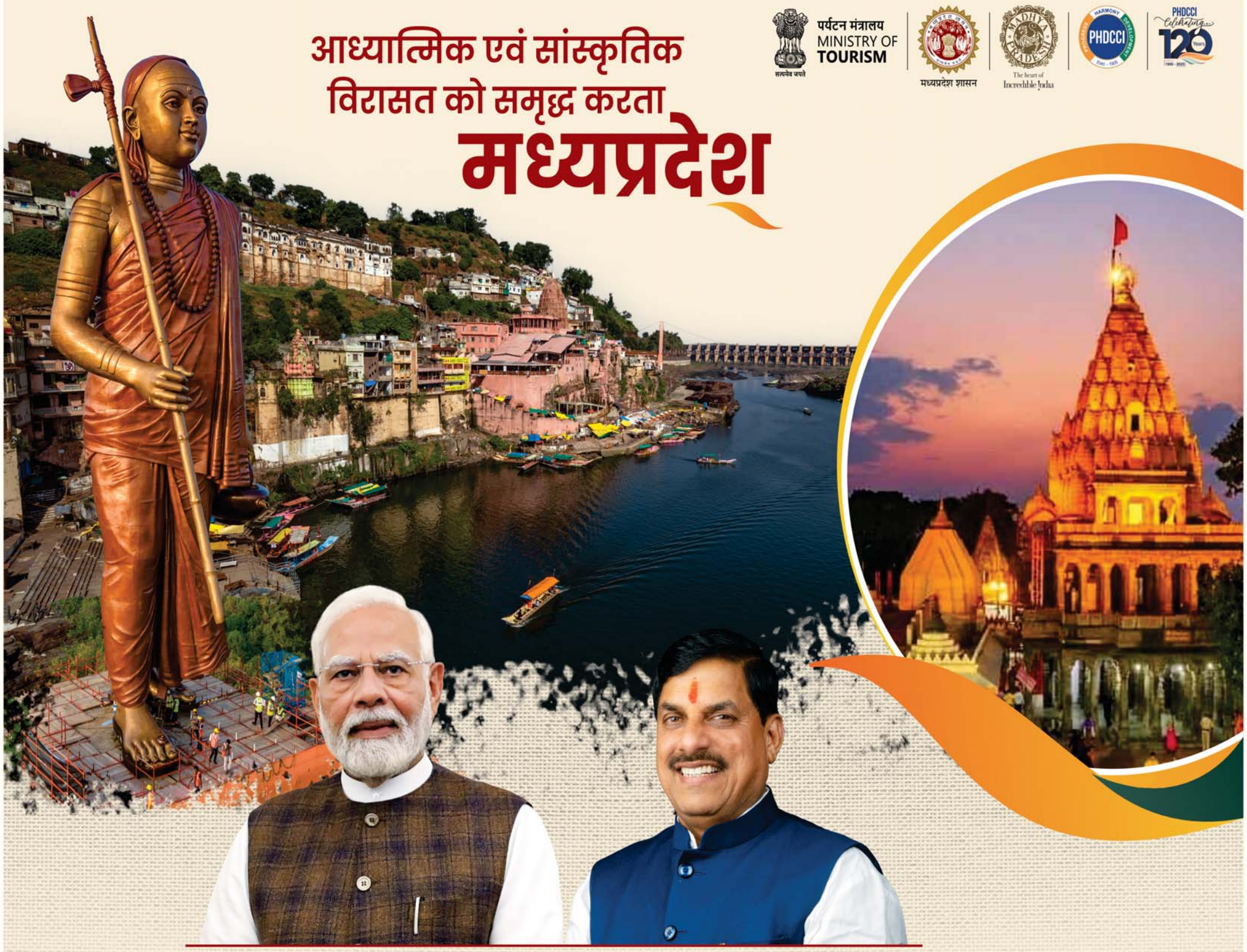

पर्यटन मंत्रालय
MINISTRY OF
TOURISM
मध्यप्रदेश शासन
PHDCCI
120
आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक
विरासत को समृद्ध करता
मध्यप्रदेश
नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री
डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री
ग्लोबल
स्पिरिचुअल
टूरिज्म कॉन्क्लेव
रूह
Mantic
शुभारंभ
मुख्य अतिथि
डॉ. मोहन यादव
मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश
विशिष्ट अतिथि
गजेन्द्र सिंह शेखावत
केंद्रीय मंत्री, पर्यटन एवं संस्कृति मंत्रालय
27 अगस्त, 2025 । प्रातः 9:00 बजे । होटल अंजुश्री, उज्जैन, मध्यप्रदेश
"मध्यप्रदेश में आध्यात्मिक पर्यटन विकास के
नये अध्याय की शुरुआत"
प्रमुख गतिविधियां
राउंड टेबल कॉन्फ्रेंस । अधोसंरचना विकास, आध्यात्मिक पर्यटन में सांस्कृतिक संवर्धन पर चर्चा ।
आध्यात्मिक पर्यटन के आयामों पर संवाद
महत्वपूर्ण सत्र
मंदिर अर्थव्यवस्थाएं । महाकाल का मंडल । डिजिटल में दिव्य । पवित्र धुरी के संरक्षक
D-11090/25
सीधा प्रसारण
@Cmmadhyapradesh
@jansampark.madhyapradesh
@Cmmadhyapradesh
@jansamparkMP
JansamparkMP

सुविचार

'महानता कभी ना गिरने में नहीं है, बल्कि हर बार गिरकर उठ जाने में है.'

- अज्ञात

संपादकीय

नये सिरे से पुराना गठबंधन

काफी समय से जारी वैश्विक हलचल के बीच कई देशों के बीच नये संबंध व समीकरण बन रहे हैं तो कुछ के बीच बिगड़ भी रहे हैं। अमेरिका द्वारा भारत पर कुल पचास फीसद टैरिफ के ऐलान के बाद आज से परिस्थितियों में फिर उलटफेर के हालात हैं। वहीं अमेरिका की हठ के बीच रूस,चीन और भारत के बीच बनती समझ यूरपीय देशों के लिये काफी अहम हो सकती है। इस बीच चीन के तियानजिन में शंघाई सहयोग संगठन का अब तक के इतिहास का सबसे बड़ा शिखर सम्मेलन हो रहा है। 31 अगस्त से एक सितंबर तक चलने वाले इस सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन सहित दुनिया के बीस से अधिक देशों के नेता तथा दस अंतरराष्ट्रीय संगठनों के प्रतिनिधियों के शामिल हो रहे हैं। अमेरिका की ओर से भारत, चीन और ब्राजील समेत कई देशों पर शुल्क लगाने की घोषणा के बाद इस सम्मेलन को कई मायनों में महत्वपूर्ण माना जा रहा है। इसे अमेरिकी नीति के बरक्स लामबंदी के रूप में भी देखा जा सकता है। रूस तो पहले से ही भारत के साथ है, लेकिन अब शुल्क के मुद्दे पर चीन भी सहयोग की मुद्रा में नजर आता है। संभव है कि प्रधानमंत्री मोदी सम्मेलन से इतर चीन और रूस के राष्ट्र प्रमुखों से मुलाकात होगी और इस दौरान द्विपक्षीय मसलों के अलावा शुल्क के मुद्दे पर भी एकजुट होने को लेकर चर्चा हो सकती है। ऐसा हुआ तो इससे अमेरिका के उन प्रयासों को झटका लगेगा, जिनके तहत वह दूसरे देशों पर अपनी मनमानी व्यापार नीतियां थोपकर निजी हित साधने का मंसूबा पाले हुए है। एससीओ एशिया का सबसे बड़ा क्षेत्रीय संगठन है, जिसका मकसद सुरक्षा, आर्थिक विकास और सांस्कृतिक सहयोग को बढ़ावा देना है। इस संगठन के सम्मेलन समय-समय पर होते रहते हैं, लेकिन दुनिया में बदल रही भू-राजनीतिक परिस्थितियों के बीच इस बार के सम्मेलन को बहुत अहम माना जा रहा है। क्योंकि रूस, चीन और भारत के राष्ट्राध्यक्ष एक मंच पर होंगे। दुनिया की राजनीति में यह बदलाव अमेरिका राष्ट्रपति ट्रंप की शुल्क नीति और ब्रिक्स को लेकर उनके रुख के बाद सामने आया है। राजनीतिक विशेषज्ञों का मानना है कि भारत, चीन और रूस के राष्ट्र प्रमुखों का एक साथ आना इस बात का संकेत है कि ये तीनों अमेरिका से अलग-अलग स्तर पर असहमत हैं और बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था को आगे बढ़ाने के पक्ष में हैं। हालांकि, यह बात छिपी नहीं है कि भारत और चीन के बीच पारंपरिक रूप से संबंध ज्यादा प्रगाढ़ नहीं रहे हैं, लेकिन अमेरिकी शुल्क के एलान के बाद से दोनों देशों के बीच नजदीकियां नजर आने लगी है। कई दशक पहले भी तीनों देशों को एकजुट रखने की कोशिश हुई थी। तब रूस ने पहली बार 90 के दशक में इस त्रिगुट का विचार रखा था। तत्कालीन प्रधानमंत्री येवगेनी प्रिमाकोव का यह प्रस्ताव था व कागज पर गठबंधन बहुत मजबूत दिखता था, लेकिन हमेशा अविश्वास से कमजोर ही बना रहा, खासकर भारत और चीन के बीच की खटास इसकी वजह रही। अब हाल में चीन के विदेश मंत्री भारत दौरे पर आए थे और इस दौरान कई मसलों पर सार्थक बातचीत हुई। भारत-चीन रिश्ते तनाव से संवाद की तरफ बढ़ते दिखाई दे रहे है, लेकिन यह भी साफ है कि अमेरिकी हठ के चलते भारत चीन और रूस विचारों की एकरूपता पर पहुंच रहे हैं लेकिन चीन व भारत के बीच खाई इतनी चौड़ी है कि सहयोग व अवधि की समझ पर बरबस ही निगाहें चली जाती हैं।

गणेश चतुर्थी- 27 अगस्त

गणेश हैं विघ्नहर्ता-मंगलकर्ता एवं जीवंत राष्ट्रीयता के प्रतीक

■ ललित गर्ग

भारतीय संस्कृति और धर्मजगत में गणेशजी का स्थान अद्वितीय है। वे विघ्नहर्ता, बुद्धिदाता, मंगलकर्ता और उन्नत राष्ट्र-निर्माता हैं। वे न केवल भारतीय संस्कृति एवं जीवनशैली के कण-कण में व्याप्त है बल्कि विदेशों में भी घर-कारों-कार्यालयों एवं उत्पाद केन्द्रों में विद्यमान हैं। किसी भी शुभ कार्य की शुरुआत उनके पूजन के बिना अधूरी मानी जाती है। उनके स्वरूप में ही गहन प्रतीकात्मकता निहित है, हाथी का विशाल मस्तक विवेक और दूरदर्शिता का प्रतीक है, छोटा मुख संयमित वाणी का द्योतक है, बड़े कान अधिक सुनने और कम बोलने की शिक्षा देते हैं, छोटा नेत्र गहराई से देखने की प्रेरणा देता है और विशाल उदर सहिष्णुता व समावेशिता का बोध कराता है। मनुष्य के दैनिक कार्यों में सफलता, सुख-समृद्धि की कामना, बुद्धि एवं ज्ञान के विकास एवं किसी भी मंगल कार्य को निर्विघ्न सम्पन्न करने हेतु गणेशजी को ही सर्वप्रथम पूजा जाता है, याद किया जाता है। प्रथम देव होने के साथ-साथ उनका व्यक्तित्व बहुआयामी है, लोकनायक का चरित्र हैं। गणेश शिवजी और पार्वती के पुत्र हैं, ऐसे सार्वभौमिक, सार्वकालिक एवं सार्वदैशिक लोकप्रियता वाले देव का जन्मोत्सव भाद्रपद मास के शुक्ल पक्ष की चतुर्थी को सम्पूर्ण दुनिया में उमंग एवं हर्षोल्लास से मनाया जाता है। गणेशोत्सव हिन्दुओं का एक उत्सव है।

भारतीय धर्म-दर्शन में गणेश जी 'आरंभ के देवता' हैं। वैदिक परंपरा से लेकर पुराणों और लोककथाओं तक, वे हर युग में 'मार्गदर्शक' बने रहे हैं। यही कारण है कि उन्हें 'सर्वोपास्य' देवता कहा गया, सभी पंथों, संप्रदायों और वर्गों के लोग उनके पूजन में समान रूप से भाग लेते हैं। गणेशजी को प्रथम लिपिकार माना जाता है उन्होंने ही देवताओं की प्रार्थना पर वेद व्यासजी द्वारा रचित महाभारत को लिपिबद्ध किया था। जैन एवं बौद्ध धर्मों में भी गणेश पूजा का विधान है। अनंतकाल से अनेक नामों से गणेश दुख, भय, चिन्ता इत्यादि विघ्न के हरणकर्ता के रूप में पूजित होकर मानवों का संताप हरते रहे हैं। गणेश जी का पूजन केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं है, बल्कि सामाजिक और राष्ट्रीय एकता का माध्यम भी है। स्वतंत्रता संग्राम के दौर में लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक ने गणेशोत्सव को सार्वजनिक रूप दिया। इससे गणेश चतुर्थी केवल पारिवारिक पर्व न रहकर जनजागरण और राष्ट्रभक्ति का प्रतीक बन गई। तिलक ने इसे सामाजिक समरसता और राष्ट्रीय चेतना के मंच के रूप में स्थापित किया, जिसने भारत को स्वतंत्रता संग्राम के लिए एकजुट करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

वर्तमान काल में स्वतंत्रता की रक्षा, राष्ट्रीय चेतना, भावनात्मक एकता और अखंडता की रक्षा के लिए गणेशजी की पूजा और गणेश चतुर्थी के पर्व का उत्साहपूर्वक मनाने का अपना विशेष महत्व है। आज के समय में जब समाज विभिन्न मत-मतांतरों, भाषाओं और संस्कृतियों में बंटा दिखाई देता है, तब गणेशजी पुनः राष्ट्रीय एकता के प्रतीक बनकर सामने आते हैं। उनका स्वरूप हमें विविधता में एकता, सहिष्णुता, धैर्य और विवेकपूर्ण निर्णय की प्रेरणा देता है। गणेश जी हमें बताते हैं कि बुद्धि और करुणा का समन्वय ही प्रगति का मार्ग है। आज जब विश्व हिंसा, कट्टरता और असहिष्णुता से जूझ रहा है, तब गणेश चतुर्थी का पर्व हमें समन्वय और सहयोग का संदेश देता है। वे केवल धार्मिक आस्था के देवता ही नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक और राष्ट्रीय एकता के जीवंत प्रतीक हैं।

हिन्दुओं में गणेशजी के जन्म के विषय में अलग-अलग कथाएँ प्रचलित हैं। वराह पुराण के अनुसार स्वयं शिव ने पंच तत्त्वों को मिला कर गणेश का निर्माण बहुत तन्मयता से किया। जिससे वे अत्यंत सुन्दर और आकर्षक बने तो देवताओं में खलबली मच गयी, स्थिति को भांप कर शिव ने गणेश के पेट का आकार बढ़ा दिया और सिर को गजानन की आकृति का कर दिया ताकि उनके सौन्दर्य और आकर्षण को कम किया जा सके। शिव पुराण के अनुसार एक बार पार्वती ने अपने उबटन के मैल से एक पुतला बनाया और उसमें जीवन डाल दिया। इसके उपरांत उन्होंने इस जीवधारी पुतले को द्वार पर प्रहरी के रूप में बैठा दिया और उसे आदेश दिया कि वह किसी भी व्यक्ति को अंदर न आने दे। इसके बाद वे स्नान करने लग गई। संयोगवश कुछ ही समय बाद शिव उधर आ निकले। उनसे सर्वथा अपरिचित गणेश ने शिव को भी

अंदर जाने से रोक दिया। इस पर शिव अत्यंत क्रोधित हुए और उन्होंने अपने त्रिशूल से गणेश का मस्तक काट दिया। पार्वती ने यह देखा तो वे बहुत दुखी हुई। तब पार्वती को प्रसन्न करने के लिए शिव ने एक हाथी के बच्चे का सिर गणेश के धड़ से लगाकर उन्हें पुनर्जीवित कर दिया। तभी से गणेश, गजानन कहलाए। लेकिन बालक की आकृति से पार्वती बहुत दुखी हुई तो सभी देवताओं ने उन्हें आशीर्वाद और अतुलनीय उपहार भेंट किए, उन्हें प्रथम देव के रूप में सभी अधिकार प्रदत्त किये। इंद्र ने अंकुश, वरुण ने पाश, ब्रह्मा ने अमरत्व, लक्ष्मी ने ऋद्धि-सिद्धि और सरस्वती ने समस्त विद्याएँ प्रदान कर उन्हें देवताओं में सर्वोपरि बना दिया। ऋद्धि-सिद्धि गणेशजी की पत्नियाँ हैं। वे प्रजापति विश्वकर्ता की पुत्रियां हैं। गणेश की पूजा यदि विधिवत की जाए, तो इनकी पतिव्रता पत्नियां ऋद्धि-सिद्धि भी प्रसन्न होकर घर-परिवार में सुख-शांति-समृद्धि और संतान को निर्मल विद्या-बुद्धि देती है। सिद्धि से 'क्षेम' और ऋद्धि से 'लाभ' नाम के शोभा सम्पन्न दो पुत्र हुए। जहां भगवान गणेश विघ्नहर्ता हैं तो उनकी पत्नियां ऋद्धि-सिद्धि यशस्वी, वैभवशाली व प्रतिष्ठित बनाने वाली होती है। वहीं शुभ-लाभ हर सुख-सौभाग्य देने के साथ उसे स्थायी और सुरक्षित रखते हैं। जन-जन के कल्याण, धर्म के सिद्धान्तों को व्यावहारिक रूप प्रदान करने एवं सुख-समृद्धि-निर्विघ्न शासन व्यवस्था स्थापित करने के कारण मानव-जाति सदा उनकी ऋणी रहेगी। आज के शासनकर्ताओं को गणेश के पदचिन्हों पर चलने की जरूरत है। गणेशजी की सम्पूर्ण शारीरिक रचना के पीछे भगवान शिव की व्यापक सोच रही है। एक कुशल, न्यायप्रिय एवं सशक्त शासक एवं देव के समस्त गुण उनमें समाहित किये गये हैं। गणेशजी का गज मस्तक हैं अर्थात वह बुद्धि के देवता हैं। वे विवेकशील हैं। उनकी स्मरण शक्ति अत्यन्त कुशाग्र हैं। हाथी की भ्रांति उनकी प्रवृत्ति प्रेरणा का उद्गम स्थान धीर, गंभीर, शांत और स्थिर चेतना में है। हाथी की आंखें अपेक्षाकृत बहुत छोटी होती हैं और उन आँखों के भावों को समझ पाना बहुत कठिन होता है। दरअसल गणेश तत्ववेत्ता के आदर्श रूप हैं। गण के नेता में गुरुता और गंभीरता होनी चाहिए। उनके स्थूल शरीर में वह गुरुता निहित है। उनका विशाल शरीर सदैव सतर्क रहने तथा सभी परिस्थितियों एवं कठिनाइयों का सामना करने के लिए तत्पर रहने की भी प्रेरणा देता है। उनका लंबोदर दूसरों की बातों की गोपनीयता, बुराइयों, कमजोरियों को स्वयं में समाविष्ट कर लेने की शिक्षा देता है तथा सभी प्रकार की निंदा, आलोचना को अपने उदर में रख कर अपने कर्तव्य पथ पर अडिग रहने की प्रेरणा देता है। छोटा मुख कम, तर्कपूर्ण तथा मृदुभाषी होने का द्योतक है।

गणेश का व्यक्तित्व रहस्यमय हैं, जिसे पढ़ पाना एवं समझ पाना हर किसी के लिये संभव नहीं है। शासक भी वही सफल होता है जिसके मनोभावों को पढ़ा और समझा न जा सके। इस प्रकार अच्छा शासक वही होता है जो दूसरों के मन को तो अच्छी तरह से पढ़ ले परन्तु उसके मन को कोई न समझ सके। दरअसल वे शौर्य, साहस तथा नेतृत्व के भी प्रतीक हैं। उनके हेरांब रूप में युद्धप्रियता का, विनायक रूप में यक्षों जैसी विकरालता का और विघ्नेश्वर रूप में लोकरंजक एवं परोपकारी स्वरूप का दर्शन होता है। गण का अर्थ है समूह। गणेश समूह के स्वामी हैं इसीलिए उन्हें गणाध्यक्ष, लोकनायक, गणपति आदि नामों से पुकारा जाता है। इसलिए गणेश चतुर्थी मनाना केवल धार्मिक परंपरा का निर्वाह नहीं है, बल्कि यह हमारी सांस्कृतिक चेतना को जागृत करने, सामाजिक समरसता को मजबूत करने और राष्ट्रीय एकता को पुष्ट करने का संकल्प है।

साभार: यह लेखक के अपने विचार हैं।

नाथ के पास गलती सुधारने का मौका नहीं

■ सरयूसुत मिश्र

कमलनाथ अपनी सरकार के पतन के लिए दिग्विजय सिंह सिंह से नाराजगी को कारण बता रहे है. कमलनाथ में सोशल मीडिया पोस्ट में अपनी सरकार के मृत्यु लेख में कहा है कि, सिंधिया को लगता था..सरकार दिग्विजय चला रहे हैं, इसलिए गिराई है। इससे पहले दिग्विजय सिंह ने एक इंटरव्यू में कहा था कि, सरकार गिराने में कोई विचारधारा का विवाद नहीं बल्कि शख्सियतों का विवाद था. जो सरकार का नेतृत्व कर रहा था, उसी शख्सियत से विवाद की संभावना होती है इसलिए स्वाभविक रूप से माना जा रहा था कि, कमलनाथ से नाराजगी के कारण सरकार गिराई गई थी.

यह इंटरव्यू कमलनाथ को इतना ना-गवार गुजरा कि, उन्होंने साफ-साफ सरकार पतन के लिए ठीकरा दिग्विजय पर फोड़ दिया. ऐसा लगता है कि, कमलनाथ, दिग्विजय सिंह को अपनी सरकार पतन के लिए राज्य में एक मोहरा बना रहे हैं. अब तो सरकार भी चली गई. चुनाव भी हो गया. उसमें भी कांग्रेस बुरी तरह से हार गई. कमलनाथ का अध्यक्ष पद भी चला गया. कांग्रेस हाई कमान ने उन्हें पूरी तरह से दरकिनार भी कर दिया. छिंदवाड़ा जो कमलनाथ का गढ़ माना जाता था, वह भी चला गया. बेटे नकुलनाथ अपना चुनाव हार गए. उम्र भी अब लगातार उस दौर में पहुंच रही है, जब गलतियां याद कर पश्चाताप करना ही शेष बच गया है.

ज्योतिरादित्य सिंधिया और दिग्विजय सिंह के बीच राजनीतिक रिश्ते हमेशा खट्टे-मीठे रहे हैं. माधवराव सिंधिया के साथ भी उनके निजी रिश्ते अलग थे, लेकिन राजनीति में सिंधिया परिवार कभी भी दिग्विजय सिंह के साथ खुलकर नहीं था. जब कमलनाथ की सरकार बनी थी, तब युवा नेतृत्व के रूप में सिंधिया की भूमिका महत्वपूर्ण थी. लेकिन सरकार गठन से ही ऐसा मैसेज जाने लगा था कि, कमलनाथ, सिंधिया को इग्नोर कर रहे हैं और दिग्विजय सिंह को प्राथमिकता दे रहे हैं. यद्यपि इसे केवल मैसेज के रूप में देखा जाना चाहिए. व्यापारिक मस्तिष्क का कमलनाथ जैसा व्यक्ति कोई भी निर्णय व्यापारिक आधार पर ही कर सकता है. उसमें राजनीतिक रिश्ते और विचारधारा महत्वहीन होती है. कमलनाथ को अपनी सरकार के पतन के लिए किसी दूसरे नेता को जिम्मेदार बताने के बदले खुद की जिम्मेदारी लेकर सरकार के समय जो गलतियां और अनैतिकताएं की गई हैं, उन पर पश्चाताप करना चाहिए.

मध्य प्रदेश के प्रशासनिक इतिहास में कमलनाथ सरकार का कार्यकाल धन प्रबंधन, करप्शन, ब्यूरोक्रेटिक अफरा तफरी और राजनीतिक खींचतान के लिए जाना जाता है. कमलनाथ को सबसे पहले यह बताना चाहिए कि, उनकी सरकार में भ्रष्टाचार में लिप्त ब्यूरोक्रेट को अदालत से भ्रष्टाचार का केस वापस लेकर किन परिस्थितियों में मुख्य सचिव बनाया था? यह काम भी किसी नेता के कहने पर किया गया था? पूरी सरकार में तबादलों में रिश्वतखोरी आम हो गई थी. अफ़सरों के तबादलों को क्या किसी नेता के कहने पर कमाई का जरिया बनाया गया था. मुख्यमंत्री सचिवालय मे ओएसडी प्रणाली के जरिए करप्शन को नया रूप किसके सुझाव पर दिया गया था?

शासन के सभी विभागों में उगाही के लिए निजी तंत्र को कमलनाथ सरकार ने ही मध्य प्रदेश में इंट्रोड्यूस किया. राज्य में कोई भी ठेका, वर्क ऑर्डर बिना इस तंत्र के अनुमोदन के कोई प्राप्त करने में सफल नहीं हो सकता था. शासन के सचिव और प्रमुख सचिव को नियंत्रित करने के लिए निजी तंत्र की व्यवस्था कमलनाथ ने ही निर्मित की थी. भ्रष्टाचार के मामलों की जांच एजेंसियों को कमाई का जरिया बनाने का काम भी कमलनाथ ने हीं किया था. उनकी सरकार के पतन का कारण भले ही राजनीतिक हो लेकिन यह मध्य प्रदेश के भाग्य से जुड़ा हुआ है. अगर यह सरकार पांच साल रह गई होती तो फिर मध्य प्रदेश में राजनीतिक और प्रशासनिक सौदेबाजी का नया दौर देखने को मिलता. कमलनाथ को अपनी सरकार के पतन के मृत्यु लेख में यह बताना चाहिए कि, पहली बार मंत्री बनने वाले विधायकों को कैबिनेट पर केवल करप्शन को बढ़ावा दिया गया था. वरिष्ठता और राजनीतिक अनुभव की दृष्टि से कमलनाथ की सरकार का परफॉर्मेंस उल्लेखनीय ही होना चाहिए था. लेकिन ना तो प्रशासनिक दृष्टि से और ना ही राजनीतिक दृष्टि से उनकी सरकार किसी भी पैमाने पर खरी उतर पाई है. कमलनाथ को अपनी परिपक्वता और अनुभव साबित करने का आखरी मौका था. अब शायद उनको यह अवसर नहीं मिल सके. बिना उद्योग के उद्योगपति के रूप में कमलनाथ ने धन संपत्ति बहुत कमाई है. मुख्यमंत्री के रूप में उन्होंने जो अलोकप्रियता कमाई है, उससे इसकी तुलना नहीं की जा सकती. दिग्विजय सिंह पर सरकार पतन की जिम्मेदारी डालकर कमलनाथ बच नहीं सकते हैं. उनको अपनी जिम्मेदारी लेनी पड़ेगी. उनकी सरकार में जो गलतियां हुयी हैं, उसके लिए उन्हें खुद को जिम्मेदारी लेनी पड़ेगी. उनके पास जो भी

मंत्री का दर्जा उन्होंने स्वयं दिया था, या किसी के दबाव में दिया गया था? वरिष्ठ विधायकों को मंत्री नहीं बनाया गया तो क्या इसके लिए भी वह किसी दूसरे नेता को जिम्मेदार मानते हैं. कमलनाथ के कारण मध्य प्रदेश की ब्यूरोक्रेसी पर कई दाग लगे हैं. यहां तक कि, चुनाव आयोग द्वारा कुछ वरिष्ठ अधिकारियों पर चंदा उगाही के लिए जांच के भी निर्देश देने पड़े.

राजनीति में गलत निर्णय हो जाते हैं लेकिन कमलनाथ के सामने अपनी किसी भी गलती को सुधारने का मौका नहीं है. युवा कमलनाथ जिस तरह से राजनीति में उभरे थे, अब उनका राजनीतिक बुढ़ापा भी उसी के दूसरे पहलू के रूप में मध्य प्रदेश देखेगा. कॉर्पोरेट खिंचाव से मध्य प्रदेश में कोई औद्योगिकरण नहीं हो सका था. बल्कि इसके नाम राजनीतिक समय बचा है वह पश्चाताप के लिए ही काम आएगा.

ज्योतिरादित्य सिंधिया पार्टी छोड़कर भी राजनीति की ऊंचाई पर पहुंच गए और उनके विरोधी सियासत के आखिरी पायदान पर कदमताल कर रहे हैं. सिंधिया और दिग्विजय की अदावत का ही उपयोग कांग्रेस के राज्य नेतृत्व ने राहुल गांधी को यह समझाने के लिए कर लिया कि, सिंधिया का मुकाबला ग्वालियर अंचल में जयवर्धन सिंह ही कर सकते हैं. इस राजनीति के पीछे भी कमलनाथ का कोई खेल हो तो कुछ नहीं कहा जा सकता? दिल्ली में तो उनकी आर्थिक ताकत का जलवा, अभी भी कायम है.

साभार: यह लेखक के अपने विचार हैं।

कविता

नहीं मानते ट्रंप !

- कृष्णेन्द्र राय

रह रह कर शिगूफा ।
नहीं मानते ट्रंप ।।
बोल बोल कर दुनिया में ।
ला रहे भूकंप ।।
हर पल नया तमाशा ।
अर्थ क्षेत्र पर मार ।।
इस टैरिफ ने उनके ।
कर दिया प्रहार ।।
उथल पुथल बाजार में ।
हाहाकार है छाया ।।
उनके जो प्रतिद्वंदी ।
कर रहे सफाया ।।
आगे बढ़ने की ललक ।
धुन है अलग सवार ।।
लेकिन दुनिया धीरे धीरे ।
बनी होशियार ।।

आज का इतिहास

- 1604- अमृतसर के स्वर्ण मंदिर में आदि गुरु ग्रंथ साहिब की प्रतिस्थापना की गई।
- 1781 - हैदर अली ने ब्रिटिश सेना के खिलाफ पल्लीलोर का युद्ध लड़ा।
- 1939 - जेट इंधन वाले विश्व के पहले विमान ने जर्मनी से पहली उड़ान भरी।
- 1870- भारत के पहले मज़दूर संगठन के रूप में श्रमजीवी संघ की स्थापना की गई।
- 1976- भारतीय सशस्त्र सेना की प्रथम महिला जनरल मेजर जनरल जी अली राम मिलिट्री नर्सिंग सेवा की निदेशक नियुक्त हुई।
- 1979 - आयरलैंड के समीप एक नौका विस्फोट हुआ।
- 1985 - नाइजीरिया में सैनिक क्रान्ति में मेजर जनरल मुहम्मद बुहारी की सरकार का तख्ता पलटा गया तथा जनरल इब्राहिम बाबनगिदा नये सैनिक शासक बने।

इटारसी में लाल बाग के राजा: बप्पा के आगमन से बरसेगा भक्ति का रंग

इटारसी। दोपहर मेट्रो

मुंबई के लालबाग के राजा का भव्य रूप और उनकी महिमा अब इटारसी में भी साकार होने जा रही है। चिंतामणि सार्वजनिक गणेश मंडल बैंक कॉलोनी इटारसी के सदस्यों की दो महीने की कड़ी मेहनत और समर्पण के बाद शहर के दिल में एक बार फिर से भक्ति और उत्साह की लहर दौड़ने वाली है।

इस साल, इटारसी के लाल बाग के राजा की प्रतिमा हर साल की तरह बेहद शानदार और आकर्षक रूप में स्थापित की जा रही है। मुंबई परेल के कारीगरों ने इस प्रतिमा को जीवंत बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ी है। 11 फीट की यह प्रतिमा सड़क मार्ग से लाई गई है जो सीधा भक्तों के दिलों में उतरेगी। इस बार का पंडाल भी खास होगा, जहाँ हर तरफ रोशनी और फूलों की सजावट होगी, जो मुंबई की गणेशोत्सव की याद दिलाएगी। तैयारियों का सिलसिला अब खत्म होने को है, और वो पल आ गया है जिसका सबको इंतज़ार था। बप्पा के प्रथम दर्शन का शुभ मुहूर्त 27 अगस्त को शाम 7 बजे रखा गया है। इस दिन आप सभी को बप्पा के पहले दीदार का अवसर मिलेगा। इस खास मौके पर आप अपनी आंखें और दिल खोलकर गणपति बप्पा का स्वागत करें, उनसे आशीर्वाद लें और उनके आगमन का हिस्सा बनें। यह सिर्फ एक उत्सव नहीं, बल्कि एक भावना है जो हर साल लोगों को एक साथ लाती है। तो तैयार हो जाइए, अपने परिवार और दोस्तों के साथ, इटारसी के इस सबसे बड़े गणेशोत्सव का हिस्सा बनने के लिए।

आज घर-घर विराज रहे गणपति बप्पा

गंजबासौदा। गणेश उत्सव आज से प्रारंभ हो चुका है। गणेश चतुर्थी पर घर-घर गणपति विराज रहे हैं। भक्तों में गणेश उत्सव को लेकर भारी उत्साह है। शहर में कई जगह गणेश की झांकियों के लिए पंडाल लगाए हैं। पंडालों को विशेष रूप से सजाया गया है। पुलिस प्रशासन ने भी सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम किए हैं। भक्तों ने भी अपने अपने घरों पर भी तैयारियां पूरी कर ली है। गणेश उत्सव को लेकर बाजार में भी भारी भीड़ है। लोग भगवान गणपति की प्रतिमा लेने बाजारों में पहुंच रहे हैं। जिससे बाजारों खासी रौनक है। जयस्तंभ चौक पर प्रतिमा खरीदने भक्तों की भारी भीड़ रही।

कभी काला पानी कहा जाने वाला सिरोंज, अब खेल प्रतियोगिताओं के लिए जाना जाएगा

फुटबॉल का मुकाबला, 20 टीमें पहली बार सिरोंज के मैदान में अजमाएंगी किस्मत

सिरोंज। दोपहर मेट्रो

शहर में 69 वीं राज्य स्तरीय शालेय फुटबॉल प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। 19 साल से कम आयु वर्ग के बालक-बालिकाओं की 8 सितंबर से 12 सितंबर तक आयोजित होने वाली इस राज्यस्तरीय प्रतियोगिता में प्रदेश के 10 संभागों से बालक-बालिकाओं की बीस टीमें शामिल होंगी। विधायक उमाकांत शर्मा के प्रयासों से सिरोंज के सांदीपनि स्कूल के मैदान पर पहली बार होंने वाली राज्यस्तरीय फुटबॉल प्रतियोगिता के आयोजन की तैयारियों को लेकर प्रशासन के जिला एवं स्थानीय अधिकारियों, जनप्रतिनियों तथा खेल जगत से जुड़े हुए नागरिकों की सामूहिक बैठक आयोजित की गई।

संस्कार गार्डन में आयोजित बैठक में जिला ओलंपिक संघ के अध्यक्ष एवं पूर्व विधायक रुद्रप्रताप सिंह ने कहा कि इस बार सिरोंज में राज्य स्तरीय प्रतियोगिता आयोजित कराने के लिए विधायक उमाकांत शर्मा ने बड़ी मेहनत की है। खेल फेडरेशन से हम सब इस प्रतियोगिता के आयोजन को मांग कर लाए हैं। अब यह केवल शिक्षा विभाग का नहीं अपितु पूरे नगरवासियों का आयोजन है। उन्होंने पूर्व मंत्री स्व. लक्ष्मीकांत शर्मा का स्मरण करते हुए उनके प्रयासों से सिरोंज के मैदान पर होने वाली राष्ट्रीय फुटबॉल प्रतियोगिता के आयोजन को भी याद करते हुए कहा कि उस प्रतियोगिता में खिलाड़ियों के लिए की जाने वाली व्यस्थाओं को खिलाड़ी आज भी याद करते हैं।

विधायक उमाकांत शर्मा ने कहा कि उन्होंने कहा कि पहले सिरोंज को काला पानी के नाम से जाना जाता था लेकिन अब हम चार खेल मैदान विकसित कर रहे हैं जिससे आने वाले समय मे सिरोंज को खेल प्रतियोगिताओं के आयोजन के लिए भी जाना जाएगा। उन्होंने कहा कि 1936 में बने सांदीपनि स्कूल के मैदान से पहले भी अनेकों प्रतिभाओं ने दक्षता प्राप्त करके संभाग, राज्य में सिरोंज का नाम रोशन किया है। खेलों सिरोंज का स्लोगन देते हुए उन्होंने कहा कि हमारे पास सांदीपनि स्कूल तथा एलबीएस कॉलेज तथा स्टेडियम के बड़े खेल मैदान उपलब्ध हैं। आने वाले 2 साल में हमने ठीक से मेहनत कर ली, तो 4 सुविधायुक्त मैदान हम राज्य को अच्छी प्रतियोगिताओं के लिए दे सकते हैं। उन्होंने कहा कि प्रतियोगिता के आयोजन में कोई कोर कसर नहीं रहना चाहिए। इस आयोजन को शहर में खेलों के उत्सव के रूप में पहचान स्थापित होनी चाहिए। विधायक शर्मा ने विगत वर्ष खेलो को बढ़ावा देने के लिए मोदी सरकार द्वारा शुरू की गई खेलों इंडिया के अंतर्गत मेडल जीतने वाले इमरान अली का सम्मान किया।

व्यवस्थाओं में कोई कमी नहीं रहेगी

सीईओ ओपी सनोठिया ने कहा कि राज्य के संभागों से जो भी खिलाड़ी आने वाले हैं वह सकारात्मक छवि इस शहर से लेकर जाएं। उनके ठहरने, आवागमन, नाश्ता तथा भोजन इत्यादि की व्यवस्थाएं उच्च स्तर की बने। मैदान की कमियां भी समय पर दूर हो। हमें प्रतियोगिता को राज्य स्तर का स्वरूप प्रदान करना है। बैठक में जिला शिक्षा अधिकारी एसपी जाटव, नपा सीएमओ रामप्रकाश साहू, खेल शिक्षक शान मियां, जमशेद मिया ने भी प्रतियोगिता को बेहतर बनाने के लिए अपने सुझाव देकर व्यवस्थाओं में पूर्ण सहयोग करने की बात कही। विधायक शर्मा ने अतिथियों का केसरिया शाल एवं उत्तरीय उड़ाकर सम्मान भी किया। इस अवसर पर प्रमुख रूप से नपाध्यक्ष मनमोहन साहू, जनपद में विधायक प्रतिनिधि हमीर सिंह यादव, जिला खेल एवं युवा कल्याण अधिकारी प्रदीप रावत, जिला कीड़ा अधिकारी संतोष चतुर्वेदी, बीओ उमेश सोनी, सांदीपनि स्कूल के प्राचार्य महेश ताम्रकार सहित जनप्रतिनिधिगण एवं खेल जगत से जुड़े हुए नागरिक मौजूद रहे।

मुख्य बाजार में निकलेगा खिलाड़ियों का मार्च पास्ट

8 सितंबर से प्रारंभ होने वाली पांच दिवसीय राज्य स्तरीय फुटबॉल प्रतियोगिता के पहले दिन सभी संभागों से बालक एवं बालिकाओं की आने वाली 20 टीमों का मार्च पास्ट निकाला जाएगा। विधायक उमाकांत शर्मा ने कहा कि इन्हीं खिलाड़ियों में से कोई आगे चलकर राष्ट्रीय स्तर के नेतृत्व करने वाले के रूप में उभरेंगे।

मैदान का किया निरीक्षण

बैठक के पूर्व विधायक उमाकांत शर्मा एवं जिला ओलंपिक संघ अध्यक्ष रुद्रप्रताप सिंह ने अधिकारियों के साथ आयोजित होने वाली प्रतियोगिता के खेल मैदान का निरीक्षण किया। सांदीपनि स्कूल के इस प्राचीन मैदान को लेकर चिन्हित की गई कमियों को स्थानीय प्रशासन को शीघ्र दुरुस्त कर खिलाड़ियों को फुटबॉल खेलने के योग्य बनाने के निर्देश भी प्रदान किए। उन्होंने टीमों के विश्राम तथा रात्रि रुकने के स्थानों की समुचित व्यवस्थाओं पर भी बातचीत की।

खाद्य सुरक्षा अधिकारी ने दुग्ध उत्पादों की जांच

ऑर्गेनिक मिल्क कार्ट से गाय और भैंस के दूध के लिए गए चार सैंपल

नर्मदापुरम। खाद्य सुरक्षा प्रशासन ने चलित खाद्य प्रयोगशाला से मौके पर पहुंचकर दूध और दुग्ध उत्पादों की जांच की। मालाखेड़ी रोड स्थित ऑर्गेनिक मिल्क कार्ट से गाय और भैंस के दूध के चार नमूने लिए गए। ये नमूने जांच के लिए राज्य खाद्य प्रयोगशाला भोपाल भेजे जाएंगे। खाद्य सुरक्षा अधिकारी के अनुसार विक्रेता के पास दूध का ऑर्गेनिक सर्टिफिकेट नहीं था। उसने माना कि उसके पास कोई भी खाद्य पदार्थ ऑर्गेनिक नहीं है। खाद्य सुरक्षा अधिकारी ने उसे 'ऑर्गेनिक' शब्द हटाने के निर्देश दिए हैं। जांच रिपोर्ट आने के बाद विक्रेता पर खाद्य सुरक्षा मानक अधिनियम 2006 के तहत कार्रवाई होगी। इसी कार्रवाई में कोठी बाजार स्थित नामधारी डेरी से पनीर, खोवा और भैंस के दूध के नमूने लिए गए। इन्हें भी जांच के लिए प्रयोगशाला भेजा गया है। कार्यवाही के दौरान खाद्य सुरक्षा अधिकारी जितेंद्र सिंह राणा और कमलेश दियावार मौजूद रहे।

सकल जैन समाज ने बूचड़खाने कत्लखाने बंद रखने की मांग

खरगोन। सकल जैन समाज संवत्सरी महापर्व मना रहा है। इस अहिंसक समाज के इस महापर्व के दौरान शहर में बूचड़खाने, कत्लखाने बंद रखने की मांग को लेकर श्री वर्धमान जैन श्वेताम्बर स्थानकवासी श्री संघ के बैनर तले जैन समाजजनों ने कलेक्टर के नाम एसडीएम कार्यालय पहुंचकर ज्ञापन सौंपा। श्रीसंघ के तेजपाल जैन ने बताया संवत्सरी महापर्व समाज का महत्वपुर्ण त्यौहार है। इस दिन समाजजन तप, साधना कर समूचे प्राणियों, मानव समाज की खुशहाली की कामना करता है। समाज के आराध्य भगवान महावीर ने समूचे विश्व को अहिंसा का संदेश दिया और जैन समाज जियो और जीने दो के सिद्धांत का अनुसरण करता है। इसलिए जीवो पर दया का भाव रखते हुए 8 सितंबर को बूचड़खाने व मांस की दुकानों से बिक्री बंद होना चाहिए।

तीज: महिलाओं ने रखा निर्जला व्रत

सिवनी मालवा। भाद्रपद शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि पर मनाए जाने वाले हरितालिका तीज पर्व पर नगर सहित ग्रामीण अंचलों की महिलाओं ने निर्जला व्रत रखकर भगवान शिव-पार्वती की आराधना की। सुबह से ही महिलाओं ने पारंपरिक परिधान धारण कर मंदिरों एवं घरों में पूजा-अर्चना की शुरुआत की। महिलाओं ने पूरे दिन निर्जल रहकर माता पार्वती और भगवान शिव का स्मरण किया। मान्यता है कि इस व्रत को करने से सुहागिन महिलाओं को अखंड सौभाग्य एवं अविवाहित कन्याओं को मनचाहा वर प्राप्त होता है। शाम को महिलाओं ने सामूहिक रूप से कथा श्रवण किया और रात्रि में जागरण कर भजन-कीर्तन किए। नगर के शिव मंदिरों, दुर्गा मंदिर और घर-घर में तीज की रौनक देखने को मिली। जगह-जगह महिलाएं पारंपरिक गीत गाती और झूला झूलती नजर आईं। रात्रि भर चलने वाली यह पूजन-अर्चना चौथी सुबह पारंपरिक विधि-विधान से पारणा कर समाप्त हुई।

सड़क से हटाया अतिक्रमण

खरगोन। नगर पालिका परिषद खरगोन ने बड़े पैमाने पर अतिक्रमण विरोधी अभियान चलाया। यह कार्यवाही औरगपुरा बावड़ी बस स्टैंड से डायवर्सन रोड होते हुए जवाहर मार्ग तक की गई। नपा व राजस्व विभाग की टीम मौके पर मौजूद रही। अभियान का नेतृत्व राजस्व विभाग के अधिकारी महेश वर्मा राजेंद्र सिंह चौहान ने किया। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में दुकानदारों को चेतावनी दी कि सड़क और फुटपाथ पर अवैध कब्जा किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। नगर पालिका का अमला मौजूद रहा जिससे माहौल शांतिपूर्ण बना रहा। नगर पालिका ने आमजन को संदेश देते हुए कहा कि भविष्य में यदि कोई दुकानदार या वाहन स्वामी दोबारा सड़क पर अतिक्रमण करता पाया गया तो उस पर जुर्माना और कठोर कार्यवाही की जाएगी। शहर में यातायात व्यवस्था सुधारने और आम नागरिकों को सुगम आवागमन देने के उद्देश्य से यह मुहिम आगे भी जारी रहेगी।

वन विभाग ने जब्त किया जंगली सुअर का मांस

तेन्दूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

वीरांगना दुर्गावती टाइगर रिजर्व नौरादेही में वन्य प्राणियों का कुनबा बढ़ने से उनका शिकार भी होने लगा है। शिकारियों की तलाश के लिए श्वान स्कवॉड टीम गैलीलियो के साथ लगातार गश्त कर रही है। गैलीलियों को जंगल में वन्य प्राणी का मांस पकने की सुगंध आई। इसके बाद टीम के साथ उसी दिशा में बढ़ गया। जहां टीम को आता देख शिकारी तो गायब हो गया, लेकिन कढ़ाही में पक रहा 500 ग्राम जंगली शूकर का मांस टीम ने जब्त किया है। तेंदूखेड़ा उपमंडल के झलौन, तेजगढ़, तेंदूखेड़ा व तारादेही चारों रेंज का आधा-आधा हिस्सा और क्षेत्रफल अब टाइगर रिजर्व के अधीन है। जहां पर अब टाइगर रिजर्व का वन अमला निगरानी करता है। ऐसा ही एक मामला तेजगढ़ वन परिक्षेत्र की सांगा बीट से सामने आया है जहां पर स्वान स्कावड की टीम ने एक घर पर शूकर का मांस पकते हुए पकड़ा है।

तेजगढ़ वन परिक्षेत्र के अंतर्गत आने वाली सांगा बीट की नाथ कॉलोनी में वीरांगना रानी दुर्गावती टाइगर रिजर्व की टीम ने गश्ती के दौरान एक घर में जंगली सुअर का तला और उबला हुआ 500 ग्राम मांस जब्त किया गया है। टीम को डॉग नाथ कालोनी लेकर पहुंचा। जहां पर आरोपी राजेश पिता कोमल नाथ के घर में कढ़ाई में शूकर का मांस पकाया जा रहा था। टीम ने मौके मांस जब्त कर वरिष्ठ अधिकारियों को इसकी सूचना दी गई।

दान की 21 हजार की राशि

सिवनी मालवा। नगर के गौ भक्तों की गौ संरक्षण के लिए टोली कई वर्षों से काम कर रही है। उनकी मेहनत से तालाब के पास एक गौशाला का भी निर्माण किया जा रहा है जिसमें गौ माता का इलाज कर उसे सुरक्षित रखने के लिए गौशाला भी बनाई जा रही है जिसमें लोग बढ़-चढ़कर भी भाग ले रहे हैं। इसी के चलते वार्ड क्रमांक 8 के पार्षद प्रतिनिधि दीपक दीक्षित ने समाजसेवा और धर्म के प्रति अपनी गहरी निष्ठा का परिचय देते हुए गौ माता मंदिर 2 (गौशाला) निर्माण कार्य के लिए 21,000 की सहयोग राशि गौ शाला में जाकर प्रदान की। गौशाला का निर्माण कार्य इस समय प्रगति पर है। दीपक दीक्षित का यह योगदान न केवल धार्मिक आस्था को मज़बूती देगा, बल्कि समाज में पशु सेवा और लोकहित के कार्यों को भी नई दिशा प्रदान करेगा।

शिवपुरी में पार्षद मोनिका ने इस्तीफा दिया

शिवपुरी। शिवपुरी नगर पालिका के वार्ड नंबर 6 की पार्षद मोनिका सीटू सड़ैया ने आज बुधवार को पार्षद पद से इस्तीफा देने की घोषणा की है। वे नगरपालिका अध्यक्ष गायत्री शर्मा से नाराज हैं। उन्होंने बगीचा सरकार मंदिर पर इस्तीफे की सौगंध खाई थी।

मेट्रो एंकर — ग्रामीण महिलाओं ने प्रस्तुत किया आत्मनिर्भरता का अनुकरणीय उदाहरण

ट्रेनिंग लेकर गौशाला में बना रहीं हैं उपयोगी सामान

शशिकांत दिमोले। सागर

आत्मनिर्भर बनाए जाने के लिए महज प्रेरणा जरूरी है, इसका उदाहरण है सागर जिले के विकासखंड केसली स्थित ग्राम मोहली की गौशाला में महिलाओं का दुर्गा स्वयं सहायता समूह। दरअसल मध्य प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के द्वारा गौशाला संचालक महिलाओं को तीन दिवसीय गौशाला में तैयार होने वाली उत्पाद निर्माण पर प्रशिक्षण कराया गया। इस प्रशिक्षण की पूर्ण होने के उपरांत विकासखंड केसली स्थित ग्राम मोहली की गौशाला में महिलाओं ने दुर्गा स्वयं सहायता समूह की अध्यक्ष निशा देवी के साथ मिलकर सर दर्द, बदन दर्द, घुटना दर्द में लगाई जाने वाली बाम बनाने का काम शुरू कर दिया।

कलेक्टर संदीप जी आर के निर्देशन में आयोजित बैठक में उन्होंने इच्छा जाहिर की थी कि महिलाएं अपनी गौशालाओं को आत्मनिर्भर बनाएं वे केवल सरकार के अनुदान पर निर्भर रहकर गौशाला का संचालन ना करें। इसी आशय को पूरा करने के लिए महिलाओं को विभिन्न उत्पाद निर्माण के लिए प्रेरित किया जा रहा है। महिलाओं को तीन दिवसीय प्रशिक्षक में बहुत सारे उत्पाद जो गौशाला में बन सकते हैं उनके निर्माण की तकनीकी सिखाई गई, जिसमें मंजन, अगरबत्ती, धूपबत्ती, बाम, गुलाब जल, आई ड्रॉप, हवन के कंडे आदि शामिल थे। दुर्गा समूह की महिलाओं ने प्रशिक्षण के तत्काल बाद बाम बनाने का काम शुरू किया है। वह पहले से हवन के कंडे का निर्माण कर रही थी इस गौशाला में गोबर की लकड़ी गोबर की खाद का निर्माण हो रहा था। अब उन्होंने बाम बनाना भी शुरू कर दिया है। निशा देवी ने अपने समूह की महिलाओं के साथ मिलकर धान की खेती की शुरुआत की थी और खेत से कचरा हटाने के लिए कम लागत से कोनो वीडर देसी तकनीक से बनाया था, लोकार्पण तत्कालीन केंद्रीय मंत्री प्रहलाद पटेल द्वारा किया गया था।

प्रदेशभर में महिलाएं कर रही हैं आंदोलन, पद से हटाने की मांग

महिलाओं के शराब पीने वाले जीतू पटवारी के बयान से फूटा गुस्सा, प्रदर्शन कर पुतला दहन

नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी के महिलाओं को लेकर दिए विवादित बयान के विरोध में भाजपाइयों ने विरोध-प्रदर्शन किया। नर्मदापुरम में राज्यसभा सांसद और महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष माया नारोलिया के नेतृत्व में कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी और जीतू पटवारी का हरियाली चौक पर पूतला दहन किया। सांसद माया नारोलिया ने दोनों पुतलों में आग लगाई।

नारोलिया ने कहा कि लाड़ली बहनों एवं मातृशक्ति का भाजपा के प्रति बढ़ते विश्वास से कांग्रेस बौखला गई है। कांग्रेस के नेता विवादित बयान दे रहे। कांग्रेस की मानसिकता महिला विरोधी रही है। कांग्रेस के नेताओं द्वारा यह बयान दिया जाता है कि लाड़ली बहनों को हम बोरे में भर देंगे, जबकि भाजपा सरकार महिलाओं का सम्मान करती है। उन्होंने कहा कांग्रेस के प्रदेश जीतू पटवारी हैं। जो विवादित बयान देते हुए कहते है कि महिलाएं सबसे ज्यादा शराब अगर कहीं पीती है, तो वह मध्यप्रदेश में पीती है। मध्यप्रदेश को यह तमगा मिला है। यह बयान महिलाओं का अपमान है। इस देश में महिलाओं को देवी स्वरूपा समझा जाता है। विधायक डॉ. सीतासरन शर्मा ने कहा कि जीतू पटवारी का यह बयान बहुत ही निंदनीय है। हमारी सरकार जिन बहनों का सम्मान करती है, कांग्रेस राष्ट्रीय नेता राहुल गांधी उन्हें कैसी शिक्षा देते हैं, यह तो वो ही जाने। जीतू पटवारी ने आज प्रदेश की महिलाओं का अपमान किया है। पुतला दहन के दौरान जीतू पटवारी के विरुद्ध जमकर नारेबाजी की गई। इस अवसर पर महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष अर्चना पुरोहित, जिला महामंत्री प्रसन्न हणे व बड़ी संख्या में महिलाएं शामिल रहीं।

गुस्साई महिलाएं बोलीं- पूर देश की महिलाओं का अपमान

छतरपुर। कांग्रेस के प्रदेशाध्यक्ष जीतू पटवारी के मध्यप्रदेश की महिलाओं पर नशे से संबंधित बयान को लेकर भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा ने छत्रसाल चौक पर जीतू पटवारी और राहुल गांधी का पुतला जलाया। महिला मोर्चा ने माफी की मांग की। भाजपा महिला मोर्चा की जिलाध्यक्ष उर्मिला साहू ने कहा कि जीतू पटवारी का यह बयान कि 'मध्यप्रदेश की महिलाएं नशा करती हैं' यह न केवल मध्यप्रदेश बल्कि पूरे भारत की महिलाओं का अपमान है। उन्होंने कहा कि भारत संस्कार, नीति और मर्यादाओं का देश है, जहां महिलाएं अपने घर, समाज और देश को संस्कारों से समृद्ध करती हैं। इस तरह का बयान देना कांग्रेस की मानसिकता को दर्शाता है।

आंगनबाड़ी भर्ती में गड़बड़ी का मामला

पात्र फिर भी महिलाओं को बताया अपात्र

सिरोंज। आंगनबाड़ी कार्यकर्ता और सहायिका की भर्ती में कथित घोटाले की चर्चा इन दिनों आम हो गई है। इन्हीं चर्चाओं के बीच ग्राम कुड़का की आवेदिका देवली शर्मा ने एसडीएम को ज्ञापन तहसीलदार संजय चौरसिया को सौंपा। जिसमें उन्होंने बताया कि वे रूसल्ली घाट पंचायत के ग्राम कुड़का की निवासी है और गांव में रिक्त आंगनबाड़ी सहायिका के पद के लिए ऑनलाइन आवेदन जमा किया था। मेरा आवेदन यह कहकर निरस्त किया गया है कि मैं कुड़का की स्थाई निवासी नहीं हूं। जबकि मैने मूल निवासी, आधार कार्ड, परिचय पत्र सहित जो भी दस्तावेज जमा किए गए हैं। उनमें सभी मेरा निवास कुड़का ही अंकित है। विभागीय अधिकारियों द्वारा जारी की गई मेरिट सूची में मुझे अपात्र ठहराते हुए मुझे बीपीएल कार्ड तथा दिव्यांग प्रमाण पत्र के अंक भी नहीं दिए गए। उन्होंने मेरिट सूची निरस्त करने तथा दोबारा आवेदन प्रक्रिया शुरू करवाने की मांग की है। इसी तरह की शिकायत नूरपुर गांव में रहने वाली रजनी जाटव की भी सामने आई है। रजनी ने बताया कि वह नूरपुर की ही रहने वाली है लेकिन विभाग ने यह कहकर मेरा आवेदन निरस्त कर दिया है कि मैं नूरपुर में नहीं रहती। उन्होंने भी दोबारा आवेदन प्रक्रिया करवाने की मांग की है।

उत्कृष्ट विद्यालय की छात्राएं संभागीय बाल रंग प्रतियोगिता में करेंगी प्रदर्शन

गंजबासौदा। जिला स्तरीय बाल रंग प्रतियोगिता में शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय के छात्र छात्राओं ने प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। जिसमें छात्रा आयुषी दांगी, श्रेया सिंह, नैना पांडे और सोनम मालवीय के मनमोहक सामूहिक नृत्य को प्रथम स्थान मिला और उन्होंने संभाग के लिए अपना स्थान बनाया। अंशुल विश्वकर्मा को चित्रकला में द्वितीय, निकिता लोधी को मूर्ति कला में तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। यह सभी प्रतिभागी संभाग स्तर पर भोपाल में होने वाली बाल रंग प्रतियोगिता में जिले का प्रतिनिधित्व करेंगे। विद्यालय के प्राचार्य एमसी शर्मा के निर्देशन में इनकी मार्गदर्शी शिक्षक ईशा रानी कुजूर एवं दीप्ति श्रीवास्तव के मार्गदर्शन में इन प्रतिभागियों ने अपनी तैयारी की और जिले में विद्यालय का गौरव बढ़ाया। विद्यालय परिवार ने सभी के लिए संभागीय प्रतियोगिता के लिए अपनी शुभकामनाएं दी हैं।

बागेश्वर बाबा की छवि धूमिल करने वालों पर सख्त कार्रवाई करने की मांग

छतरपुर। बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर पं. धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री के विरुद्ध पिछले कुछ समय से सोशल मीडिया पर ऐसे कंटेंट दिए जा रहे हैं, जिससे उनकी छवि धूमिल हो। इसके लिए यूट्यूब पर अनर्गल कथानक दिखाए जा रहे हैं। यह सारा कार्यक्रम एक सुनियोजित तरीके से चलाया जा रहा है। इस मामले को लेकर धाम के विधि सलाहकार अधिवक्ता रवि पांडे ने पुलिस अधीक्षक कार्यालय में आवेदन देकर दोषियों के विरुद्ध सख्त कार्यवाही की मांग की है। धाम के विधि सलाहकार अधिवक्ता रवि पांडे ने बताया कि अंतरराष्ट्रीय संत बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री के विरूद्ध कुछ लोग सोशल मीडिया पर अनर्गल टिप्पणियां कर रहे हैं। कुछ लोग यूट्यूब और सोशल मीडिया पर गलत वीडियो बनाकर वायरल कर रहे हैं। जिससे बागेश्वर महाराज की छवि को धूमिल करने का प्रयास हो रहा है। इसके कारण सनातन धर्म और धाम के अनुयायियों को गहरी पीड़ा है। उन्होंने कहा कि कुछ विधर्मी देश में गलत माहौल बनाने के लिए बिना जांच-पड़ताल के फर्जी वीडियो और आपत्तिजनक सामग्री प्रसारित कर रहे हैं। उन्होंने पुलिस अधीक्षक से मांग की कि इन लोगों के खिलाफ कार्रवाई की जाए और साइबर सेल के माध्यम से इन फर्जी वीडियो की जांच हो।

30 अगस्त को छतरपुर पहुंचेंगे सीएम

छतरपुर। छतरपुर नगर में 30 अगस्त को आयोजित होने जा रहे जन्माष्टमी समारोह में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव शामिल होंगे। सीएम के आगमन को लेकर सागर कमिश्नर और आईजी ने कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान विधायक ललिता यादव, कलेक्टर पार्थ जैसवाल, डीआईजी ललित शाक्यवार, एसपी अगम जैन और जिला पंचायत सीईओ तपस्या परिहार मौजूद रहीं। जिम्मेदार अधिकारियों ने मेला ग्राउंड में चल रहीं तैयारियों का निरीक्षण किया। विधायक ललिता यादव ने बताया कि हर साल की तरह इस बार भी श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के उपलक्ष्य में 30 अगस्त को कार्यक्रम होगा। इस बार के कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव शामिल होंगे।

इलेक्ट्रिकल्स की दुकान पर टीम को मिली खाद्य सामग्री, लिए सैंपल

गंजबासौदा। दोपहर मेट्रो

खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम द्वारा शहर में विभिन्न स्थानों पर होटलों किराना दुकानों सहित खाद्य सामग्री की दुकानों पर जांच पड़ताल कर खाद्य सामग्री के नमूने के लिए हैं। वहीं जांच के दौरान एक मामला भी सामने आया, जहां इलेक्ट्रिकल्स की दुकान में खाद्य सामग्री के पाउच टंगे हुए थे। सुरक्षा अधिकारियों द्वारा दुकान में संग्रहित खाद्य पदार्थ की एक्सपायरी डेट देखी तथा संग्रहित मैंगो ड्रिंक का नमूना लिया। इसके साथ ही शहर में स्थित अन्य दुकानों का भी टीम ने निरीक्षण किया। खाद्य सुरक्षा अधिकारियों ने सभी दुकानदारों को निर्देश जारी किया कि समय-समय पर अपनी दुकान की खाद्य सामग्रियों का एक्सपायरी डेट का निरीक्षण करते रहें। विक्रय किए जाने से पूर्व खाद्य पदार्थ का एक बार पुनः परीक्षण करने के बाद

ही सामग्री का विक्रय करें। जिला खाद्य सुरक्षा अधिकारी संदीप वर्मा ने बताया कि शहर में अलग-अलग दुकानों से नमूने लिए हैं, जिनको जांच के लिए भेजा जाएगा।

पूर्व विधायक जेपी निगम की स्मृति में पौधारोपण

छतरपुर। पूर्व विधायक जेपी निगम की स्मृति में उनकी बेटी मृदुला एवं रेणुका निगम द्वारा सीएमएचओ डॉ. आरपी गुप्ता के सहयोग से आदिवासी बाहुल्य ग्राम सलैया में नेत्र, स्वास्थ्य शिविर एवं कैंसर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर वृक्षारोपण भी किया गया जिसमें स्वास्थ्य टीम ग्रामीण प्रतिनिधियों एवं बच्चों ने मिलकर पौधे रौपे। आयोजकों ने संदेश दिया कि स्वस्थ्य जीवन के लिए स्वच्छ हवा, हरियाली एवं संतुलित पर्यावरण उतना ही आवश्यक है जितना संतुलित आहार एवं नियमित स्वास्थ्य जांच की। जिसमें नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. जीएल अहिरवार, दंत रोग विशेषज्ञ डॉ.दांगी, कैंसर रोग विशेषज्ञ एवं पैथालॉजिस्ट डॉ.श्वेता गर्ग, डॉ.रचना गुप्ता सहित राजनगर स्वास्थ्य केन्द्र का समूचा स्टाफ शामिल रहा।

सीसीटीवी में कैद हुई वारदात

महिला दुकानदार को बातों में उलझाकर सोने की झुमकी का सेट चुरा ले गए

तेन्दूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

झलौन गांव में ज्वैलर्स संचालक अपनी पत्नी को बैठाकर खेत गए थे। इसी बीच दो बाइक पर चार बदमाश आए और महिला दुकानदार को बातों में उलझाकर एक झुमकी का सेट ले उड़े। पुलिस सीसीटीवी कैमरे की मदद से बदमाशों की धरपकड़ के लिए जुट गई है।

जानकारी के अनुसार झलौन में श्रद्धा ज्वेलर्स दुकान के संचालक दुकान पर अपनी पत्नी को बैठाकर खेत गए थे। उसी समय चार युवक दो बाइक से पहुंचे। दो युवक बाइक लेकर सड़क पर रुक गए। जबकि दो ज्वेलर की दुकान के अंदर गए। उन्होंने महिला दुकानदार से अनेक तरह के सोने, चांदी के जेवर संबंधी जानकारी ली। एक झुमकी का पूरा सेट निकलवाया। महिला को बातों में उलझाया और सोने की झुमकी लेकर दोनों युवक दुकान के बाहर निकल आए। महिला कुछ समझती इसके पहले दोनों युवक पहले से बाइक लेकर खड़े युवकों के साथ भाग निकले और गुहंची मार्ग से फरार हो गए। जिस दुकान पर अज्ञात युवकों ने घटना को अंजाम दिया है। उसमें सीसीटीवी कैमरे लगे थे इसलिए पूरी घटना कैमरों में कैद हो गई। महिला ने घर के सामने निवास करने वाले अशोक जैन को जानकारी दी। वह घर से निकले, लेकिन उससे पहले दोनों युवक फरार हो गए। अशोक जैन ने बताया बाइक पर सवार दोनों युवक झुमकी का पूरा सेट लेकर गुहंची वाले रास्ते से भाग निकले हैं। पुलिस आरोपयों की तलाश कर रही है।

इंदौर में स्कूल की मान्यता के नवीनीकरण के लिए मांगी रिश्वत, लोकायुक्त ने दबोचा

इंदौर के बीआरसी ने मांगी थी 80 हजार रुपए की रिश्वत

इंदौर। दोपहर मेट्रो

प्रदेश में रिश्वतखोर अधिकारी-कर्मचारियों पर कार्रवाई का सिलसिला लगातार जारी है। लगभग हर दूसरे दिन कहीं न कहीं लोकायुक्त टीम रिश्वतखोर अधिकारी-कर्मचारियों को रिश्वत लेते हुए रंगेहाथों पकड़ रही है, लेकिन इसके बावजूद रिश्वतखोर बाज आते नजर नहीं आ रहे हैं। ताजा मामला इंदौर का है जहां एक बीआरसी को लोकायुक्त की टीम ने रिश्वत लेते रंगेहाथों पकड़ा है।

आवेदक रामविलास गुर्जर संचालक द सेंट पीटर्स कॉन्वेंट हायर सेकंडरी स्कूल, नगीन नगर ने इंदौर लोकायुक्त कार्यालय में शिकायत दर्ज कराई थी कि स्कूल की मान्यता के नवीनीकरण के बदले नीरज गर्ग, खंड श्रोत समन्वयक इंदौर शहर - 1, शिक्षा विभाग ने उससे 80 हजार रूपये रिश्वत की मांग की है। लोकायुक्त ने शिकायत की जांच की और शिकायत सही पाए जाने पर मंगलवार (26 अगस्त) को नीरज गर्ग को कालानी चौराहे पर 30 हजार रूपये की रिश्वत लेते हुए रंगेहाथों पकड़ा। आवेदक रामविलास गुर्जर के मुताबिक एक दिन पहले 25 अगस्त को वो रिश्वतखोर बीआरसी नीरज गर्ग के कहने पर 50 हजार रूपये की राशि पड़ोस के ओएसिस स्कूल के कर्मचारी कमल सिंह वीरजी को दे चुका है। बाकी के 30 हजार रूपये की रिश्वत देने के लिए उसे बीआरसी नीरज गर्ग ने कालानी चौराहे पर शाम 6 बजे बुलाया था। वहीं पर लोकायुक्त ने इस कार्रवाई को अंजाम दिया और रिश्वतखोर बीआरसी को रंगेहाथों पकड़ लिया।

सेन समाज ने किया नवनियुक्त जिलाध्यक्ष मुकेश का सम्मान

गंजबासौदा। सेन समाज ने विव हिंदू परिषद के नवनियुक्त जिला अध्यक्ष मुकेश सेन का समस्त सेन समाज बंधुओं ने फ्रेंस लुक पार्लर पर सम्मान किया। इस अवसर पर प्रदेश महामंत्री राम रतन सेन, वरिष्ठ समाजसेवी चंद्रहास, सेन समाज मंदिर समिति के पूर्व अध्यक्ष विजय कुमार, सेन समाज विकास संगठन के जिला अध्यक्ष सुमेर , मंदिर समिति अध्यक्ष शिव नारायण सेन, समाज मंदिर व्यवस्थापक नरेश, पूर्व सचिव गोरेलाल सहित समाज बंधु मौजूद रहे।

पश्चिम मध्य रेल

ई–निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति के लिए उनकी ओर से निम्नलिखित कार्य हेतु न्यूनतम पात्रता मानदंड पूरी करने वाले एवं विद्युत लाइसेन्स धारी प्रतिष्ठित एवं अनुभवी ठेकेदारों से निर्धारित प्रपत्र पर ई–निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा सूचना क्र. डब्ल्यूसी आर–सीआरडब्ल्यूए–बीपीएल–ईएल–टी–2025–05 दिनांक 20.08.2025, कार्य का नामः–वर्ष 2025–26 एवं 26–27 हेतु सी. आर.डब्ल्यू एस/भोपाल में आईसीऍफ तथा एल.एच.बी कोचों की विभिन्न इलेक्ट्रिकल फिटिंग्स जैसे फैन, लाइट,बैटरी,एक्सल पुल्ली, आईवी, कप्लर ओर फीडर जंक्शन बॉक्स की स्ट्रीपिंग/डिस्मेंटलिंग सीफिटमेंड का कार्य एवं मेमू कोचों के ट्रेक्शन मोटर की स्ट्रीपिंग/डिस्मैटलिंग, रीफिटमेंट का कार्य तथा कोचों की बैटरी चार्जिंग/डिस्चार्जिंग का कार्य। कार्य की लागतः Rs. 33576003.61, निविदा फार्म का मूल्यः 0-00, धरोहर राशिः Rs 3,17,900.00, कार्य पूर्ण करने की अवधिः 24 माह, निविदा जमा करने की अंतिम तिथिः 11.09.2025 15:00 बजे तक निविदा खुलने की तिथि : 11.09.2025 15:00 बजे के उपरांत निविदा फार्म व निविदा संबंधी विस्तृत जानकारी भारत सरकार की वेबसाइट https://www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है एवं निविदा सूचना मुख्य कारखाना प्रबन्धक विद्युत शाखा के सूचना पटल पर उपलब्ध है। (हस्ता)

कृते मुख्य कारखाना प्रबन्ध सवारी डिब्बा पुनर्निर्माण कारखाना पश्चिम मध्य रेलवे, निशातपुरा भोपाल

स्वच्छ भारत अभियान एक कदम स्वच्छता की ओर

मेट्रो एंकर

500 वर्ष पुरानी गणेश प्रतिमा अष्टभुजा रुप में विराजमान, दर्शन के लिए उमड़ते हैं श्रद्धालु

मान्यता: उफान पर आई नदी को भगवान लंबोदर ने किया था शांत

विशाल रजक। तेन्दूखेड़ा

ग्राम तेजगढ़ में 500 वर्ष पुरानी अत्यंत दुलर्भ भगवान गणेश की प्रतिमा है, जो आज भी जीवंत अवस्था में तेजगढ़ ग्राम के प्राचीन मंदिर में है। ऐतिहासिक राजा तेजी सिंह के शासन काल की प्रतिमा होने का संकेत देती है। ग्रामीण बताते हैं कि गांव से निकली नदी के उफान पर होने पर उसे लंबोदर ने ही शांत किया था। यहां भगवान गणेश की भक्ति के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु उमड़ते हैं। तेंदूखेड़ा मुख्यालय से 20 किमी दूर तेजगढ़ गांव में भगवान गणेश की यह प्रतिमा विराजमान है जो अष्टभुजा रुप में है। गांव के बुजुर्गों की अपनी अलग-अलग राय है। वृद्ध कहते हैं कि उनके पूर्वजों ने उन्हे बताया था कि यहां भगवान गणेश की अष्टभुजा प्रतिमा पांच सौ वर्ष पूर्व जमीन के नीचे से प्रकट हुई थी। जिसे तेजगढ़ के राजा तेजीसिंह ने गणेश घाट के समीप स्थापित कराया था। शिक्षक महेंद्र दीक्षित श्याम सुंदर यादव, अनूप ठाकुर आदि ने बताया कि यह मंदिर एतिहासिक है और प्रतिमा प्राचीन है जिसकी जानकारी उन्हें भी बुजुर्गों से मिली है। शिक्षक महेंद्र दीक्षित ने बताया कि पांच सौ वर्ष पहले ओरछा के हरदोल का जन्म हुआ था और उसी समय राजा तेजी सिंह का भी जन्म हुआ। उन्ही के राज में यह प्रतिमा स्थापित है। तेजगढ़ में 70वर्ष पूर्व से ग्रामीण क्षेत्रों में गणेश प्रतिमाएं स्थापित होने लगी हैं। पहले तेजगढ़ सहित आसपास के 50 गांव में कोई प्रतिमा स्थापित नहीं होती थी।

भगवान गणेश के मंदिर के पास ही एक प्रतिमा स्थापित की जाती थी जो आज भी स्थापित होती है। कहा जाता है कि पांच सौ वर्ष पूर्व यहां अष्टभुजा के रुप में भगवान गणेश की प्रतिमा स्थापित की गई थी। क्षेत्र के पूरे जिले के लोगों की आस्था का प्रमुख केंद्र है। प्रत्येक शनिवार को पूजा अर्चना के साथ भगवान गणेश का सिंदूर से श्रंगार किया जाता है तेजगढ़ में वर्ष 2013 में प्रदीप सोनी नाम के थाना प्रभारी आए थे जिन्होंने पुण्य रुचि लेकर समिति बनाई और मंदिर का जीवन अवधारणा शुरू हुआ, जिसमें 20 लाख रुपए खर्च हुए।

स्वयंभू मानी जाती है प्रतिमा

प्रतिमा के बारे में किसी को सटीक जानकारी नहीं है। गांव के बुजुर्गों का कहना है कि प्रतिमा जमीन के नीचे से मिली थी। जिसे तेजगढ़ के राजा तेजी सिंह ने गणेश घाट के समीप स्थापित कराया था। उस समय से घाट का नाम भी गणेश घाट पड़ गया। तेजगढ़ गांव को भी राजा तेजी सिंह ने ही बसाया था। गांव में स्थापित प्रतिमा बेहद दुर्लभ है, ऐसी प्रतिमा देश में कहीं और देखने को नहीं मिलती।

निकला था सिंदूर

लोगों का कहना है कि प्रतिमा की स्थापना की जानकारी ग्रंथों के माध्यम से मिली है, जिसमें स्थापना तेजी सिंह के द्वारा किए जाने की जानकारी मिलती है। करीब 82 साल पहले प्रतिमा मंदिर के नीचे की ओर धंसने लगी थी, तब फतेहपुर गांव के कोई संत यहां आए थे। इसके बाद प्रतिमा को बाहर निकाला गया प्रतिमा के ऊपर काफी बड़ी मात्रा में सिंदूर निकला था, जिसे नर्मदा नदी में बहाया गया था और फिर सभी के सहयोग से नए मंदिर का आकार दिया गया जो काफी विख्यात है।

वनडे वर्ल्ड कप 2027 से पहले बीसीसीआई के कदम पर उठे सवाल

रोहित शर्मा को रिटायर करने के लिए आया ब्रोंको टेस्ट

नई दिल्ली , एजेंसी

अगला वनडे वर्ल्ड कप 2027 में होना है, तब तक भारत के वर्तमान वनडे कप्तान रोहित शर्मा 40 साल से अधिक उम्र के हो जाएंगे। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने हाल ही में ब्रोंको टेस्ट की शुरुआत की है। यह फिटनेस एसेसमेंट टेस्ट भारत बनाम इंग्लैंड टेस्ट सीरीज के दौरान कई खिलाड़ियों, खासकर तेज गेंदबाज़ों की फिटनेस संबंधी समस्याओं के बाद शुरू किया गया था। इसका उद्देश्य हाईलेवल की फिटनेस बनाए रखना और खिलाड़ियों की एरोबिक क्षमता में सुधार करना था।

लेकिन पूर्व भारतीय बल्लेबाज मनोज तिवारी का मानना है कि BCCI ने यह सुनिश्चित करने के लिए इसे शुरू किया है कि रोहित शर्मा 2027 के वनडे

वर्ल्ड कप से पहले क्रिकेट से संन्यास ले लें। सभी जानते हैं कि भारत के रोहित सबसे फिट क्रिकेटर नहीं हैं, लेकिन उनका प्रदर्शन ऐसा रहा है कि कोई भी उन्हें बेंच पर नहीं बैठा सकता। मनोज का मानना है कि इसीलिए ब्रोंको टेस्ट शुरू किया जा रहा है। रोहित इस समय 38 साल के हैं।

मनोज ने क्रिकट्रैकर से कहा- मुझे लगता है कि विराट कोहली को 2027 वर्ल्ड कप की प्लानिंग से बाहर रखना मुश्किल होगा, लेकिन मुझे शक है कि वे रोहित शर्मा को अपनी प्लानिंग में शामिल करेंगे। क्योंकि।।। देखिए, मैं भारतीय क्रिकेट में चल रही गतिविधियों का बहुत बारीकी से एनालि?सि?स करता हूं, मेरा मानना है कि यह ब्रोंको टेस्ट, जो कुछ दिन पहले शुरू किया गया था, रोहित शर्मा जैसे खिलाड़ियों और ऐसे लोगों के लिए है जो मेरे विचार से भविष्य में टीम का हिस्सा नहीं बनना चाहते। और इसी वजह से इसे शुरू किया गया है।

ब्रोंको टेस्ट के पीछे कौन है, मनोज तिवारी ने बताया

बंगाल के इस बल्लेबाज ने फिटनेस टेस्ट की शुरुआत के समय पर सवाल उठाए हैं। जुलाई में गौतम गंभीर के भारतीय टीम के हेड कोच बनने के बाद, ब्रोंको टेस्ट अब क्यों शुरू किया गया है? बेशक, इसका सीधा सा जवाब यह है कि टीम इंडिया के नए स्ट्रेंथ और कंडीशनिंग कोच एड्रियन ले रॉक्स जून में ही टीम में शामिल हो गए थे और उन्होंने टीम में आने के बाद इसे शुरू किया था। मनोज तिवारी ने आगे कहा- आप जानते हैं ब्रोंको टेस्ट भारतीय क्रिकेट द्वारा शुरू किए गए सबसे कठिन फिटनेस टेस्ट मानकों में से एक होगा, लेकिन सवाल बस यही है कि अभी क्यों? जब आपके नए हेड कोच को पहली ही सीरीज से यह काम मिल गया था, तब क्यों नहीं? यह किसका विचार है? इसे किसने शुरू किया? कुछ दिन पहले ब्रोंको टेस्ट किसने लागू किया? तो यह एक ऐसा सवाल है जिसका मेरे पास कोई जवाब नहीं है, लेकिन जो देखा गया है, उससे यही लगता है कि अगर रोहित शर्मा अपनी फिटनेस पर कड़ी मेहनत नहीं करते हैं।

ब्रोंको टेस्ट के पक्ष में बोले मनोज तिवारी

वहीं तिवारी ने यह भी कहा- मुझे लगता है कि इसे लाया गया है ताकि फिटनेस का पैमाना सबसे ऊंचे स्तर पर तय हो सके, लेकिन साथ ही, मेरा मानना है कि इसे कुछ खिलाड़ियों को बाहर रखने के लिए भी लागू किया गया है, जैसा कि तब (2011 में) हुआ था जब हमारे भारतीय दिग्गज जैसे गंभीर, सहवाग, युवराज और बाकी खिलाड़ी अच्छा कर रहे थे, 2011 में चैम्पियन बनने के बाद ही यो-यो टेस्ट को सामने लाया गया, इसके पीछे कई चीजें होती हैं, यह मेरी अपनी राय है, देखते हैं आगे क्या होता है।

हॉकी एशिया कप : हॉकी इंडिया ने मुफ्त टिकटों की घोषणा की

राजगीर । एशिया कप हॉकी का आगाज 29 अगस्त से बिहार के नालंदा जिले के राजगीर में हो रहा है। प्रशंसकों के लिए हॉकी इंडिया ने एक बड़ी सौगात दी है। हॉकी इंडिया ने घोषणा की है कि मैचों के लिए प्रशंसकों को निशुल्क प्रवेश टिकट दिया जाएगा। फैंस हॉकी इंडिया ऐप पर जाकर मुफ्त टिकट के लिए पंजीकरण कर सकते हैं। उन्हें वर्चुअल टिकट दिया जाएगा।

हॉकी इंडिया के अध्यक्ष दिलीप तिर्की ने कहा, राजगीर में पुरुष एशिया कप की मेजबानी भारतीय हॉकी के लिए एक ऐतिहासिक क्षण है, और हम चाहते हैं कि हर प्रशंसक इस यात्रा का हिस्सा बने। प्रवेश निःशुल्क रखकर, हमारा उद्देश्य खेल को और अधिक सुलभ बनाना और परिवारों, छात्रों और युवा एथलीटों को विश्व स्तरीय हॉकी देखने के लिए प्रोत्साहित करना है। यह केवल एक टूर्नामेंट नहीं है, यह खेल का उत्सव है, और बिहार और उसके बाहर के लोग इसके केंद्र में रहने के हकदार हैं। हॉकी इंडिया के महासचिव भोला नाथ सिंह ने भी इसी भावना को दोहराते हुए कहा, हमें पुरुष एशिया कप के सभी मैचों के लिए मुफ्त पहुंच प्रदान करते हुए खुशी हो रही है। हमें विश्वास है कि प्रशंसक अपनी टीमों का समर्थन करने के लिए भारी संख्या में आएंगे।

एशियन शूटिंग चैंपियनशिप: सिफत कौर ने लहराया तिरंगा

भारत के लिए जीते दो गोल्ड मेडल

शिमकेंट (कजाखस्तान) , एजेंसी

ओलंपियन सिफत कौर सामरा ने एशियाई निशानेबाजी चैम्पियनशिप में यहां महिलाओं की 50 मीटर राइफल थ्री पोजिशंस में व्यक्तिगत वर्ग का स्वर्ण जीतने के साथ भारत को टीम स्पर्धा में भी पीला तमगा दिलाया। विश्व रिकॉर्डधारी सामरा ने फाइनल में 459.2 स्कोर करके चीन की यांग यूजी 458.8 को हराया । एशियाई चैम्पियनशिप में यह सामरा का चौथा स्वर्ण है । वह आठ निशानेबाजों के फाइनल में 589 अंक के साथ शीर्ष पर रहते हुए फाइनल में पहुंची थी । भारत की श्रियांका साडंगी क्वालीफिकेशन में शीर्ष पर रही थी लेकिन वह सिर्फ रैंकिंग अंकों के लिये खेल रही थी लिहाजा सामरा और आशी पहले और चौथे स्थान पर रहकर फाइनल में पहुंचे । वहीं सामरा, अंजुम मुद्गिल और आशी चौकसे की तिकड़ी ने टीम वर्ग में स्वर्ण पदक जीता । सामरा ने नीलिंग में 151 . 0 और प्रोन में 156 . 2 स्कोर किया । स्टैंडिंग एलिमिनेशन दौर में वह चीनी प्रतिद्वंद्वी से 0.4 अंक आगे रही । जापान की नोबाता मिसाकी 448 .2 को कांस्य पदक मिला । आशी 402 .8 अंक लेकर सातवें स्थान पर रही । क्वालीफिकेशन में सामरा ने 589 स्कोर किया जबकि आशी का स्कोर 586 और अंजुम का 578 रहा । तीनों ने कुल 1753 अंक के साथ शीर्ष स्थान हासिल किया । जापान 1750 अंक लेकर दूसरे और दक्षिण कोरिया 1745 अंक के साथ तीसरे स्थान पर रहा । दो बार की ओलंपियन अंजुम 41 निशानेबाजों में 22वें स्थान पर रही ।

जूनियर महिला 25 मीटर पिस्टल में तीनों मेडल भारत को

जूनियर महिला 25 मीटर पिस्टल में भारत की पायल खत्री, नाम्या कपूर और तेजस्विनी ने शानदार प्रदर्शन किया। फाइनल में तीनों भारतीय खिलाड़ियों ने कोरिया, इंडोनेशिया और मलेशिया की

प्रतिद्वंद्वियों को पीछे छोड़ते हुए आपस में ही मुकाबला किया। पायल ने छठे से नौवें सीरीज में चार-चार हिट्स और 10वीं सीरीज में 5/5 हिट्स के साथ 36 हिट्स बनाए और गोल्ड जीता। नाम्या ने 30 हिट्स के साथ सिल्वर और तेजस्विनी ने 27 हिट्स के साथ ब्रॉन्ज मेडल हासिल किया। इसके अलावा, पायल, तेजस्विनी और रिया शिरीष ठट्टे 554 अंक ने मिलकर 1700 अंकों के साथ टीम सिल्वर मेडल जीता।

ज्यूरिख डायमंड लीग फाइनल

भारत को गर्व पल देने नीरज चोपड़ा कल उतरेंगे मैदान में

नई दिल्ली , एजेंसी

दो बार ओलंपिक मेडल जीत चुके जेवलिन थ्रोअर नीरज चोपड़ा एक बार फिर मैदान पर भारत को गर्व का पल देने को तैयार हैं। भारत में अपने चाहने वालों के बीच बाहुबली नाम से मशहूर चोपड़ा सिलेसिया और ब्रुसेल्स में श्रृंखला के दो चरणों में नहीं खेल पाए थे, जबकि केवल दोहा और पेरिस स्पर्धाओं में भाग लिया। उन्होंने चार क्वालीफाइंग चरणों में से दो में भाग लेने के बाद इस वर्ष के डायमंड लीग फाइनल के लिए चौथे स्थान की योग्यता हासिल की।

27 वर्षीय विश्व चैंपियन ने मई में दोहा चरण में 90.23 मीटर का थ्रो हासिल किया चोपड़ा के साथ क्वालीफाई करने वाले पांच अन्य थ्रोअर एंड्रियन माडार्रे, गत चैंपियन पीटर्स, केशोर्न वालकॉट, वेबर और जूलियस येगो हैं। स्विस एथलीट साइमन वीलैंड मेजबान देश की एंट्री के रूप में शामिल हुए। चोपड़ा की सबसे हालिया प्रतियोगिता 5 जुलाई को बेंगलुरु में एनसी क्लासिक में थी, जहां उन्होंने 86.18 मीटर थ्रो के साथ जीत हासिल की।

वह 28 अगस्त को स्विट्जरलैंड के ज्यूरिख में डायमंड लीग फाइनल में एंडरसन पीटर्स और जूलियन वेबर के खिलाफ मुकाबला करेंगे। शेड्यूल के भारतीय समयानुसार रात 11:15 बजे खिताब के लिए प्रतिस्पर्धा करने की उम्मीद है। बता दें कि उन्होंने 2022 में डायमंड लीग ट्रॉफी जीती और 2023 और 2024 में दूसरे स्थान पर रहे थे। इस बार फिर उम्मीद है कि वह खिताब अपने नाम करने में कामयाब रहेंगे।

नीरज चोपड़ा का इस सीजन कैसा है रिकॉर्ड

इस सीजन में उन्होंने छह स्पधाओं में भाग लिया है, जिसमें चार जीत और दो दूसरे स्थान हासिल किए हैं। वह 13 से 21 सितंबर तक तोक्यो में होने वाली आगामी विश्व चैंपियनशिप में अपने विश्व खिताब का बचाव करेंगे। डायमंड लीग वैश्विक एथलेटिक्स में बड़ा इवेंट है।

शटलर लक्ष्य सेन बैडमिंटन वर्ल्ड चैंपियनशिप से बाहर-वर्ल्ड नंबर-1 चीन के शी यू की ने हराया

पेरिस। बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड चैंपियनशिप में भारत के युवा शटलर लक्ष्य सेन को हारकर बाहर होना पड़ा है। सोमवार को मेंस सिंगल्स के राउंड ऑफ 64 मैच में उन्हें वर्ल्ड नंबर-1 चीन के शी यू की ने सीधे गेम में हरा दिया। अडीडास एरिना में चीनी प्लेयर ने 21-17, 21-19 से बाजी मारी और अगले राउंड में एंट्री की। शी यू की और लक्ष्य के बीच बैडमिंटन में पांचवां ही मैच खेला गया। शी ने इनमें चौथी बार बाजी मारी, लक्ष्य 1 बार ही चीनी प्लेयर को हरा सके। 54 मिनट तक चले मैच में शी हावी ही दिखे। उन्होंने 21-17 से पहला गेम जीतने के बाद 21-19 से दूसरा गेम भी जीत लिया।

मनोरंजन **बॉलीवुड का कोना**

मनीष मल्होत्रा की गुस्ताख इश्क के टीजर ने सोशल मीडिया पर मचाई धूम, फराह खान ने की तारीफ

डिजाइनर मनीष मल्होत्रा अब फिल्म गुस्ताख इश्क के साथ निर्माता के तौर पर सिनेमा में दस्तक दे रहे हैं। फिल्ममेकर फराह खान ने इसका टीजर सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए तारीफ की है। फराह खान ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम स्टोरीज सेक्शन पर फिल्म का टीजर पोस्ट किया है, जिसके कैप्शन में उन्होंने लिखा, मनीष मल्होत्रा को बहुत-बहुत बधाई हो। मुझे कोई शक नहीं कि आप एक बेहतरीन प्रोड्यूसर और क्रिएटर भी बनेंगे।

पुरानी दिल्ली की गलियों और पंजाब के पुराने कोठियों की पृष्ठभूमि में बनी यह फिल्म एक प्रेम कहानी पर आधारित है, जिसमें जुनून और अनकही चाहत की गहराई है। टीजर में बैकग्राउंड में कुछ लाइनें चलती हैं, उदासी में हंसते हैं, खुश हों तो रोते हैं...ये मुसाफिर मोहब्बत के, बड़े अजीब होते हैं। रोमांटिक फिल्म गुस्ताख इश्क का टीजर रिलीज होते ही यह सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रहा है और फैंस इसको देखकर काफी उत्साहित नजर आ रहे हैं। बता दें कि मनीष ने अपने भाई दिनेश मल्होत्रा के साथ मिलकर यह फिल्म बनाई है; यह फिल्म उनके सिनेमाई सपनों का पहला कदम है। फिल्म में विभु पुरी ने बतौर

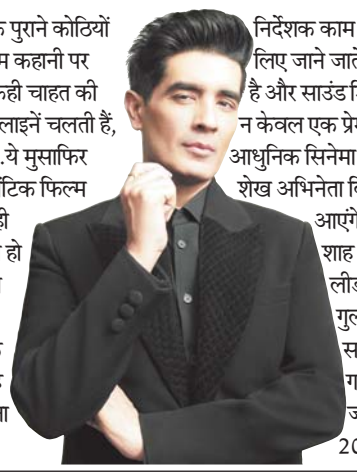

निर्देशक काम किया है, जो अपनी फिल्म हवाईजादा के लिए जाने जाते हैं। इसकी सिनेमैटोग्राफी मनुष नंदन ने की है और साउंड डिजाइन रेसुल पूकुट्टी ने किया है। यह फिल्म न केवल एक प्रेम कहानी है, बल्कि क्लासिक और आधुनिक सिनेमा का संगम भी है। फिल्म में फातिमा सना शेख अभिनेता विजय वर्मा के साथ रोमांस करते नजर आएंगे। वहीं, इसमें दिग्गज अभिनेता नसीरुद्दीन शाह और प्रतिभाशाली कलाकार शारिब हाशमी लीड रोल में हैं। संगीत के लिए मशहूर जोड़ी गुलजार और विशाल भारद्वाज एक बार फिर साथ आए हैं। ये दोनों पहले भी कई यादगार गाने बना चुके हैं। फिल्म की शूटिंग 9 जनवरी 2025 से शुरू हुई और इसे नवंबर 2025 में थिएटर्स में रिलीज किया जाएगा।

मेट्रो बाजार

निफ्टी एक साल में छू सकता है 27,609 के स्तर को

मुंबई। भारत में घरेलू मांग बढ़ने का फायदा शेयर बाजार को भी मिलेगा। इस कारण आने वाले 12 महीनों में निफ्टी 27,609 के स्तर को छू सकता है। यह जानकारी जारी की गई एक रिपोर्ट में दी गई। पीएल कैपिटल की लेटेस्ट इंडिया स्ट्रेटेजी रिपोर्ट में संकलित आंकड़ों के अनुसार, कम महंगाई दर, करों में कटौती, सामान्य मानसून और भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा हाल ही में की गई ब्याज दरों में कटौती सहित कई कारक व्यापक उपभोग वृद्धि के लिए परिस्थितियां पैदा कर रहे हैं।

रिपोर्ट में आगे बताया गया है कि

उपभोक्ता मूल्य मुद्रास्फीति (खुदरा महंगाई दर) घटकर 1.6 प्रतिशत रह गई है, जबकि सामान्य बारिश से ग्रामीण आय में वृद्धि हो रही है। रिपोर्ट के अनुसार, वित्त वर्ष 26 में टैक्स में एक लाख करोड़ रुपए की कटौती से मांग को सपोर्ट मिलने की उम्मीद है। साथ ही, आरबीआई द्वारा ब्याज दरों में कटौती से हाउसिंग, कार और पर्सनल लोन की मांग बढ़ने की उम्मीद है। इसके अतिरिक्त जीएसटी सुधार से अप्रत्यक्ष टैक्स में कटौती होगी और ऑटोमोबाइल, ड्यूरेबल्स, दवाइयां और रोजमर्रा के सामानों की मांग इजाफा हो सकता है। रिपोर्ट में बताया गया कि अमेरिकी टैरिफ और विदेशी निवेशकों द्वारा 41,000 करोड़ रुपए की निकासी के बाद भी भारतीय बाजार मजबूत बने हुए हैं।

भोजपुरी सिनेमा की जानी-मानी अदाकारा अक्षरा सिंह आए दिन सोशल मीडिया पर छाई रहती हैं। चाहे उनके गाने हों, फिल्मों की बातें हों या फिर उनका स्टाइलिश अंदाज, फैंस उन्हें हर रूप में काफी पसंद करते हैं। अक्षरा सोशल मीडिया पर बहुत एक्टिव रहती हैं और अपनी नई-नई तस्वीरें और वीडियोज फैंस के साथ साझा करती रहती हैं। उन्होंने कुछ ऐसी तस्वीरें पोस्ट की हैं, जिन्हें देखने के बाद फैंस उनकी सादगी के कायल हो रहे हैं।

अक्षरा सिंह की सादगी ने फिर जीता दिल इंस्टाग्राम पर पिंक सूट में आईं नजर

इंस्टाग्राम पर साझा की गई तस्वीरों में अक्षरा सिंह पिंक कलर के सूट में नजर आ रही हैं। सूट पूरा प्रिंटेड है, उस पर पत्तियां और फूल बने हुए हैं, जो देखने में बेहद ही प्यारा लग रहा है। उन्होंने माथे पर छोटी सी बिंदी लगाई हुई है, जो उनके लुक को और भी सुंदर बना रही है। कानों में झुमके और खुले बाल उनके ट्रेडिशनल अंदाज को खास बना रहे हैं। ये तस्वीरें किसी झील के किनारे खींची गई हैं, जहां अक्षरा बड़ी शांति और सादगी के साथ खड़ी नजर आ रही हैं।

इन तस्वीरों को साझा करते हुए अक्षरा ने कैप्शन में लिखा, सूट वाली सिंपलसिटी। अक्षरा सिंह का ये सिंपल लेकिन शानदार लुक उनके फैंस को काफी पसंद आ रहा है। फैंस उनके पोस्ट पर जमकर कमेंट्स कर रहे हैं। एक फैन ने लिखा, आप तो परी लग रही हैं! दूसरे फैन ने लिखा, ये सादगी बहुत खास है, दिल छू गई! कुछ फैंस ने तो दिल और फायर वाले इमोजी से अपना प्यार जताया है। एक यूजर ने लिखा, आपका हर अंदाज निराला है, ट्रेडिशनल लुक में भी आप गजब लगती हैं! कई लोग अक्षरा की मुस्कान की तारीफ करते नहीं थक रहे। एक ने मजाकिया अंदाज में लिखा, झील के पानी से भी ज्यादा साफ और सुंदर तो आपकी तस्वीर लग रही है!

ओडिशा के अंगुल के नींबू का अमेरिका को निर्यात शुरू, किसानों को तगड़ा मुनाफा

अंगुल । देश में किसानों की आय बढ़ाने के लिए सरकार लगातार प्रयास कर रही है। इसी क्रम में ओडिशा के अंगुल जिले से इस महीने तीन फेस में करीब एक लाख नींबू का निर्यात किया गया है। यह निर्यात ओडिशा रूरल डेवलपमेंट एंड मार्केटिंग सोसायटी (ओआरएमएएस) के समर्थन से किया गया है, जिसमें स्थानीय बाजार में 20 से 30 पैसे प्रति यूनिट पर बेचा जाने वाले नींबू का निर्यात एक रुपए प्रति यूनिट पर किया गया है।

अंगुल के नींबू की मांग अंतरराष्ट्रीय बाजार में विशेषकर अमेरिका और यूके के बाजारों में तेजी से बढ़ रही है। अकेले इसी महीने, छेंदीपाड़ा ब्लॉक के ओगी गांव से लगभग एक लाख नींबू की तीन खेपें अमेरिका भेजी गई हैं। यह निर्यात ओआरएमएएस द्वारा जरापाड़ा स्थित किसान-उत्पादक कंपनी ÷क्रॉपिफाई÷ के सहयोग से किया गया। ओआरएमएएस के अधिकारियों के अनुसार, 26,000 नींबू की पहली खेप 7 अगस्त को भेजी गई थी। इससे पहले, किसानों को उचित मूल्य पाने के लिए संघर्ष करना पड़ता था, अकसर वे व्यापारियों को 100 नींबू केवल 20-30 रुपए में बेचते थे। अब, किसान-उत्पादक कंपनी 100 रुपए प्रति सैकड़ा की दर से नींबू खरीद रही है, जिससे किसानों की कमाई पहले के मुकाबले तीन से चार गुना बढ़ गई है। सिर्फ नींबू के अलावा, जूस, अचार और स्क्वैश जैसे वैल्यू एडेड उत्पाद भी व्यापक बाजारों के लिए तैयार किए जा रहे हैं। किसानों का कहना है कि इस पहल से उन्हें बड़े पैमाने पर नींबू की खेती जारी रखने के लिए बहुत जरूरी राहत और प्रेरणा मिली है।

शिनाख्त के प्रयास जारी

हमीदिया रोड पर अज्ञात वाहन ने अधेड़ को कुचला, सिर से गुजरा पहिया

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

हनुमानगंज थाना क्षेत्र स्थित हमीदिया रोड पर फुटपाथ किनारे सड़क से पुलिस ने एक अधेड़ उम्र के व्यक्ति की लाश बरामद की है। अनुमान है कि उसे किसी बड़े वाहन ने कुचला है। दरअसल, मृतक का भेजा सड़क पर फैल गया था। इससे अनुमान है कि किसी बड़े वाहन ने उसे कुचला है। पुलिस ने घटनास्थल पर सीसीटीवी कैमरे चेक किए, लेकिन कैमरे नहीं मिले। पुलिस को घटनास्थल के आगे की तरफ सड़क पर कैमरे मिले है, जिसमें वाहन जाते हुए नजर आ रहे हैं। घटनास्थल से पीछे की तरफ के सीसीटीवी कैमरे चेक कर वाहन का पता लगाया जा रहा है।

एएसआई मुस्ताक बख्श खान ने बताया कि सुबह करीब साढ़े 5 बजे सूचना मिली थी कि हमीदिया रोड पर किसी व्यक्ति का शव पड़ा हुआ है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया। इस दौरान वहां से एक पचास साल के अज्ञात व्यक्ति का शव बरामद कर पीएम के लिए भेज दिया गया। एएसआई खान ने बताया कि मृतक की उम्र करीब पचास साल के आसपास होगी। उसका सिर बुरी तरह से कुचला हुआ है। अनुमान है कि किसी भारी वाहन के चालक ने उसके सिर पर से टायर चढ़ा दिया है। मृतक की शिनाख्त नहीं हो सकी है। उसकी शिनाख्ती के प्रयास किए जा रहे है।

आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धाराओं में एफआईआर दर्ज

पुलिस ने गांजा तस्कर से पांच किलो गांजा और पल्सर बाइक जब्त

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

अयोध्या नगर पुलिस ने गांजा तस्कर को गिरफ्तार कर उसके पास से पांच किलो पंद्रह ग्राम गांजा जब्त किया है। गांजे के अलावा उसके पास से तस्करी में इस्तेमाल बाइक भी बरामद की गई। पुलिस आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धाराओं में एफआईआर दर्ज कर गांजे के बारे में पूछताछ की जा रही है।

फाइल फोटो

पुलिस के अनुसार सुमत ठाकुर पिता जमनाप्रसाद ठाकुर गांव पठरिया राजधारा, थाना बेगमगंज, जिला रायसेन का रहने वाला है। इन दिनों वह नरेला गांव में किराए के मकान में रह रहा था। तीन चार दिन उसने ब्लिंकइट में काम किया फिर काम छोड़ दिया था। फिलहाल वह बेरोजगार था। जल्दी में अधिक रुपए कमाने की लालच में उसने मादक पदार्थ की तस्करी का काम शुरू कर दिया। मंगलवार शाम वह पांच किलो पंद्रह ग्राम गांजा लेकर किसी को देने जा रहा था। इसी बीच पुलिस ने अयोध्या नगर एक्सटेंशन के पीछे की तरफ वाले हिस्से से उसे दबोच लिया। पुलिस ने बताया कि सुमत ठाकुर से गांजा तस्करी में इस्तेमाल पल्सर बाइक भी जब्त की गई है।

साढ़े आठ लाख के 45 गुमे हुए मोबाइल बरामद

राजधानी की कमला नगर थाना पुलिस ने पिछले कुछ महीनों के दौरान गुमे हुए कुल 45 मोबाइल फोन बरामद करने में सफलता हासिल की है। बरामद हुए मोबाइलों की कीमत साढ़े आठ लाख रुपये बताई गई है। थाना प्रभारी निरूपा पांडेय के मुताबिक आम नागरिकों ने मोबाइल फोन गुमने की शिकायत की थी। इन शिकायतों के आधार पर गुमे हुए मोबाइलों को सीईआईआर पोर्टल के माध्यम से सर्चिंग पर लगाया गया था। सर्चिंग के दौरान कुल 45 मोबाइल फोन बरामद कर लोगों को वापस किए गए हैं। गुमे हुए मोबाइल वापस मिलने पर आम नागरिकों की खुशी का ठिकाना नहीं रहा। लोगों ने पुलिस की इस कार्रवाई की प्रशंसा की है। मोबाइल फोन तलाशने में टीआई निरूपा पांडेय के साथ ही एसआई संजय वर्मा, शैलेंद्र सिंह राजावत, आरक्षक बलराम रघुवंशी, महिला आरक्षक दीपमाला, हेड कांस्टेबल सुनील मिश्रा, आरक्षक राकेश भारद्वाज, अरशद खान और नीरज यादव की सराहनीय भूमिका रही है।

पांच थाना प्रभारियों के थानों में हुआ बदलाव

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

राजधानी के पांच थानों के थाना प्रभारियों को नई जिम्मेदारी सौंपी गई है। रक्षित केंद्र से दो निरीक्षकों को जहांगीराबाद और अरेरा हिल्स थाने की कमान सौंपी गई है। इनमें चतुर्भुज राठौर को रक्षित केंद्र से जहांगीराबाद थाने की कमान व सुनील शर्मा को अरेरा हिल्स थाने की कमान सौंपी गई है। इसी प्रकार अपराध शाखा की निरीक्षक भूपेंद्र कोल संधु को श्यामला हिल्स थाने का प्रभार सौंपा गया है। अरेरा हिल्स थाना प्रभारी मनोज पटवा निशातपुरा थाने के थाना प्रभारी होगे। स्वास्थ्य संबंधी समस्या के चलते निरीक्षक रूपेश दुबे को निशातपुरा थाने से रक्षित केंद्र भेजा गया है।

युवक के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज

एमबीबीएस में दाखिला लेने फर्जी दस्तावेज लगाए

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

बागसेवनिया पुलिस ने उत्तर प्रदेश के एक युवक के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया है। आरोपी युवक ने एमबीबीएस में एडमिशन लेने फर्जी दस्तावेज बनाकर एम्स में जमा किए थे। एम्स में दस्तावेज की जांच हुई तो पता चला कि दस्तावेज फर्जी है। इसके बाद बागसेवनिया पुलिस को शिकायती आवेदन दिया गया। पुलिस ने आवेदन जांच के बाद आरोपी के खिलाफ धोखाधड़ी सहित अन्य धाराओं में प्रकरण दर्ज किया है।

जानकारी के अनुसार उत्तर प्रदेश के कानपुर निवासी लवकुश प्रजापति (22) ने चार साल पहले बारहवीं कक्षा पास की थी। उसके बाद उसने नीट की परीक्षा दी। बार बार नीट की परीक्षा देने पर भी उसे सफलता नहीं मिली। अच्छी रैंक नहीं आने के कारण उसे मेडिकल कालेज में प्रवेश नहीं मिल रहा था। डॉक्टर बनने के लिए लवकुश ने मेडिकल काउंसिल की वेबसाइट पर जाकर अपना रोल नंबर बदल दिया और खुद ही अच्छी रैंक भी बना ली। उसके बाद एम्स भोपाल में दाखिला लेने के लिए अलॉटमेंट लेटर भी जारी कर लिया। पिछले दिनों वह सारे दस्तावेज लेकर एम्स पहुंचा और रजिस्ट्रार कार्यालय में जमा कर दिया। प्रबंधन ने जब उसके दस्तावेजों की जांच की तो पता चला कि उक्त रोल नंबर वाले छात्र का उड़ीसा के मेडिकल कालेज में एडमीशन हो चुका है। उसके बाद आफिस के सहायक प्रशांत कुमार ने मामले की शिकायत बागसेवनिया पुलिस से की। पुलिस ने आरोपी छात्र लवकुश के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज कर लिया है।

पांच तोला गोल्ड के आभूषण और 11 लाख रुपए की नगदी लेकर हुआ फरार

फाइल फोटो

मंत्रालयकर्मी को जेवर बनाने के नाम पर लगाई पंद्रह लाख की चपत

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

हबीबगंज थाना क्षेत्र स्थित दस नंबर मार्केट में एक सुनार ने वल्लभ भवन के क्लर्क को करीब पंद्रह लाख रुपए की चपत लगा दी। दरअसल, क्लर्क ने सुनार को पांच तोला गोल्ड के पुराने जेवर और 11 लाख रुपए की नकदी थी। नगदी और पुराने जेवरात इसलिए दिए थे कि उन्हें नई डिजाइन में बनाया जाए। जेवर और नगदी हाथ लगने के बाद सुनार दुकान बंद कर फरार हो गया।

क्लर्क ने घटना की शिकायत डीसीपी कार्यालय में की थी। आवेदन जांच के बाद पुलिस ने सुनार के खिलाफ धोखाधड़ी और अमानत में खयानत का मामला दर्ज कर लिया है। आरोपी सुनार बंगाल का बताया जा रहा है। जल्द ही आरोपी की तलाश पुलिस की टीम बंगाल भेजी जाएगी। हेड कांस्टेबल राघवेंद्र भास्कर ने बताया कि नर्मदापुरम रोड, निवासी दीपक मालवीय, वल्लभ भवन में क्लर्क हैं। उन्होंने पुलिस को बताया कि दस नंबर मार्केट में संजीव समांता उर्फ संजू ज्वैलर्स की दुकान पर उन्होंने पांच तोला गोल्ड के पुराने जेवर दिए थे। उक्त जेवर दीपक की बहने थे। सभी जेवरों को नई डिजाइन में बनवाना था। इस पर संजू सुनार ने कहा था कि जेवर बनाने में थोड़ा और गोल्ड लगेगा। कुल मिलाकर 11 लाख रुपए का खर्च आएगा। संजू की बातों में आकर दीपक मालवीय ने अलग अलग किश्तों में 11 लाख रुपए संजू को दो दिए। करीब दो महीने पहले आरोपी संजू सुनार जेवर और नगदी हाथ लगने के बाद फरार हो गया। दीपक का कहना है कि न तो उसका नंबर लग रहा है और न ही उसके बारे में कोई जानकारी मिली। इसके बाद उन्होंने पुलिस को शिकायत की थी। दीपक का कहना है कि संजू ज्वैलर्स ने और भी ग्राहकों के साथ इसी तरह की घटना की है।

युवक से मारपीट कर लोडिंग वाहन, मोबाइल और पर्स लूटा

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

राजधानी के देहात इलाके गुनगा में मंगलवार की शाम को दो बदमाशों ने एक लोडिंग वाहन चालक के साथ मारपीट कर दी और उसका लोडिंग वाहन, मोबाइल फोन और नकदी से भरा पर्स लूटकर भाग निकले। आरोपी मशीन लदवाने के बहाने लोडिंग वाहन को अपने साथ लेकर गए थे। पुलिस ने एक नामजद समेत दो आरोपियों के खिलाफ लूटपाट का मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस का दावा है कि जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार कर पूरे मामले का खुलासा कर दिया जाएगा। थाना प्रभारी कृष्णा सिंह ठाकुर ने बताया कि अभिषेक जाटव (22) मूलत-विदिशा का रहने वाला है। फिलहाल वह बैरसिया इलाके में रहता है और मैजिक लोडिंग वाहन चलाता है। मंगलवार को वह बस स्टैंड के पास अपना लोडिंग वाहन लेकर खड़ा हुआ था। इसी दौरान दो युवक उसके पास पहुंचे और एक मशीन लादकर दूसरे स्थान पर छोडने की बात कही। किराया तय होने के बाद अभिषेक अपना लोडिंग वाहन लेकर दोनों युवकों के साथ चला गया। शाम करीब सात बजे युवकों ने गुनगा स्थित ग्राम महोली के पास लोडिंग वाहन रुकवाया और अभिषेक के साथ जमकर मारपीट कर दी। मारपीट करने के बाद दोनों ने उसका मोबाइल फोन, पर्स जिसमें 15 हजार छह सौ रुपये नकद रखे थे और लोडिंग वाहन लेकर भाग निकले। घटना के बाद अभिषेक ने गुनगा थाने पहुंचकर लूटपाट की रिपोर्ट दर्ज कराई। बातचीत के दौरान एक युवक का नाम विक्रम बंजारा पता चला था। पुलिस ने विक्रम और उसके साथी के खिलाफ केस दर्ज किया है। टीआई ठाकुर ने बताया कि आरोपियों के बारे में महत्वपूर्ण सुराग मिल गए हैं। जल्द ही दोनों को गिरफ्तार कर मामले का खुलासा कर दिया जाएगा।

महिला के पर्स से उड़ाया 82 हजार का सामान

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

ट्रेन में सफर के दौरान एक महिला के पर्स से 82 हजार रुपए का सामान चोरी हो गया। कई अन्य यात्रियों के मोबाइल फोन समेत अन्य सामान चोरी चला गया। जीआरपी ने सभी मामलों में केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार रजिया कुरैशी कोरबा छत्तीसगढ़ की रहने वाली हैं। विगत दिवस वह अपने परिवार के साथ कोराब से रानी कमलापति की यात्रा कर रही थी। इस दौरान उन्होंने अपना लेडीज पर्स सिरहाने रखा था। मंगलवार तड़के करीब पांच बजे इटारसी के पास उनकी नींद खुली तो पता चला कि सिरहाने रखा हुआ उनका पर्स पैरों की तरफ पड़ा हुआ है। जब उन्होंने पर्स चैक किया तो उसके अंदर रखा एक मोबाइल फोन, सोने की दो अंगूठियां और 17 हजार रुपये नकदी समेत करीब 82 हजार का सामान गायब था। इधर मुरैना निवासी बीरबल ठाकुर तेलंगाना एक्सप्रेस के जनरल कोच में ग्वालियर से नागपुर की यात्रा कर रहा था। सफर के दौरान उसे नींद लग गई थी। भोपाल स्टेशन से ट्रेन चलने के बाद नींद खुली तो पता चला कि उंगली में पहनी हुई सोने की अंगूठी और जेब में रखे तीन हजार रुपये नकद तथा यात्रा टिकट समेत 28 हजार का सामान गायब है। इसी प्रकार जयपुर से नागपुर की यात्रा कर रही एक महिला का पर्स चोरी हो गया। चोरी गए पर्स में मोबाइल फोन समेत करीब पंद्रह हजार का सामान रखा हुआ था। इसी प्रकार इंदौर निवासी गोपाल सिंह इंटरसिटी से इंदौर जाने के लिए भोपाल स्टेशन पहुंचे थे।

हत्या के आरोपियों का मिला सुराग

भोपाल। बैरसिया इलाके में हुई एक किसान की हत्या के मामले में पुलिस को महत्वपूर्ण सुराग मिल गए हैं। जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार कर पूरे मामले का खुलासा कर दिया जाएगा। जानकारी के अनुसार मंगलवार की सुबह सूचना मिली कि बैरसिया शमशाबाद रोड स्थित ग्राम सुंदरपुरा के पास जंगल एरिया में एक व्यक्ति की लाश पड़ी है। पुलिस मौके पर पहुंची और शव बरामद कर पीएम के लिए भेज दिया। मृतक की पहचान मोहकम सिंह यादव (55) निवासी ग्राम पीपलधार थाना शमशाबाद के रूप में हुई थी। उसकी गला घोंटकर हत्या की गई थी। पुलिस ने इस मामले में अज्ञात आरोपियों के खिलाफ हत्या का केस दर्ज किया था।

मेट्रो एंकर

पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के बाद परिजन को सौंपा

युवती ने फांसी लगाकर दी जान, फर्श पर पड़ी मिली लाश

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

पिपलानी थाना क्षेत्र स्थित गुप्ता कॉलोनी आनंद नगर में एक युवती ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। उसकी लाश परिजन ने फर्श पर पड़ी देखी थी। जबकि ऊपर रस्सी का फंदा लगा हुआ था। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के बाद परिजन को सौंप दिया है। सुसाइड नोट नहीं मिलने से आत्महत्या के कारण का पता नहीं चल सका है। पुलिस का कहना है कि मृतका के परिजन अभी शोकाकुल है। जल्द ही उनके बयान लिए जाएगे। मृतका का मोबाइल जब्त किया गया है। सीडीआर निकलवाई जा रही है।

पुलिस के अनुसार सृष्टि चौकसे पिता शैलेष चौकसे (22) गुप्ता कॉलोनी, आनंद नगर में रहती थी। मंगलवार सुबह उसकी लाश परिजन ने उसके कमरे में फर्श पर पड़ी देखी थी। परिजन की सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया तो ऊपर रस्सी का फंदा बना मिला। पुलिस का कहना है कि सृष्टि ने फांसी लगाई है। सोमवार रात वह खाना खाने के बाद अपने कमरे में चली गई थी। मंगलवार सुबह परिजन ने उसे देखा है। सृष्टि का वजन अधिक होने से लंबे समय तक रस्सी के फंदे पर लटकी लाश नीचे गिर गई थी। सृष्टि का निजी बैंक में अभी ही चयन हुआ था और उसे ज्वाईनिंग लेनी थी। इससे पहले ही उसने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली।

फाइल फोटो

नाबालिग ने फांसी लगाई, कमरा सील किया

भोपाल। अशोका गार्डन थाना क्षेत्र स्थित सेठी नगर में बीती रात 17 साल के किशोर ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। फांसी के फंदे पर लटका देख परिजन उसे अस्पताल लेकर पहुंचे थे, वहां डॉक्टर ने चेक करने के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव पीएम के लिए मर्चुरी भेज दिया है। घटना देर रात की होने के कारण पुलिस ने कमरा सील कर दिया है। आज पीएम के बाद कमरे की तलाशी ली जाएगी। पुलिस के अनुसार मुजम्मलुदीन पिता आसिफ उद्दीन (17) सेठी नगर अशोका गार्डन में रहता था और स्कूली छात्र था। मंगलवार रात उसने खाना खाया और अपने कमरे में सोने चला गया। रात करीब साढ़े 11 बजे परिजन उसके कमरे में पहुंचे तो वह फांसी के फंदे पर लटका मिला। उसे फंदे से उतारकर हमीदिया अस्साल ले जाया गया, वहां डॉक्टर ने चेक करने पर उसे मृतक कर दिया। पुलिस पीएम के बाद परिजन के बयान दर्ज करेगी।

पत्नी के मायके जाने से दुखी पति ने लगाई फांसी

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

छोला मंदिर थाना क्षेत्र स्थित शिव नगर फेस श्री में मंगलवार रात करीब साढ़े 9 बजे नगर निगमकर्मी ने फांसी लगा ली। उसके पास से सुसाइड नोट नहीं मिला है। प्रारंभिक जांच में पता चला कि उसकी छह महीने पहले ही शादी हुई थी। शादी के बाद कुछ दिन तक पत्नी साथ रही और फिर उसे छोड़कर मायके चली गई थी। बार-बार बुलाने के बाद भी मायके से पति के पास नहीं आ रही थी।

पुलिस के अनुसार शुभम गंगेले पिता महेंद्र गंगेले (30) शिव नगर, फेस श्री छोला मंदिर इलाके में रहता था और नगर निगम में जल शाखा में नौकरी करता था। पांच महीने पहले ही उसने प्रेम प्रसंग के बाद शादी की थी। शादी के कुछ दिन बाद भी उसकी पत्नी उसे छोड़कर मायके चली गई थी। मंगलवार रात उसने अपने कमरे में फांसी लगा ली। आज शव पीएम के बाद परिजन को सौंपा जाएगा।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **प्रधान संपादक राजेश सिरोठिया संपादक आशीष दुबे*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-4917524, 2972022